सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 152 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 17 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ छत्तीसगढ़ का सामूहिक विवाह कार्यक्रम

6412 जोड़ों के साथ सामाजिक समरसता के साथ ऐतिहासिक मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सामाजिक समरसता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह कराकर छत्तीसगढ़ सरकार ने उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी देशभर में सराहना हो रही है।

बता दें 10 फरवरी को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में पूरे प्रदेश से कुल 6412 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इनमें से 1316 जोड़ों का विवाह रायपुर में प्रत्यक्ष रूप से संपन्न हुआ, जबकि शेष जोड़े प्रदेश के विभिन्न जिलों से वर्चुअल माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े। सभी विवाह धार्मिक परंपराओं और सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप संपन्न कराए गए, जिससे यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक समरसता और सामूहिक खुशियों का विराट उत्सव बन गया।

इस ऐतिहासिक आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का विषय है। इस समारोह की विशेषता यह भी रही कि इसमें हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़ों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न किए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, आपसी सद्भाव और सर्वधर्म समभाव की भावना का जीवंत प्रतीक बन गया। यह ऐतिहासिक आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब शासन की योजनाएं संवेदनशीलता, जनभागीदारी और सामाजिक सहयोग के साथ लागू होती हैं, तब वे केवल सरकारी योजनाएं नहीं रह जातीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बन जाती हैं। गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान करती है।

यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मान : सीएम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मान, विश्वास और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन गई है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई और वर्तमान सरकार ने इसे व्यापक स्वरूप दिया है।

खास-खबर

राज्यसभा चुनाव-एनडीए की 37 में से 22 सीटों पर जीत

नईदिल्ली। 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के चुनाव परिणाम सोमवार को घोषित हुए। एनडीए ने 22 और विपक्ष ने 15 सीटें जीतीं हैं। एनडीए को 10 सीटों का फायदा हुआ है। वहीं, विपक्ष को 10 सीटों का नुकसान हुआ। पहले एनडीए के पास 12 और विपक्ष के पास 25 सीटें थीं। इन 37 सीटों में से 26 पर प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। तीन राज्य हरियाणा, बिहार और ओडिशा में 11 सीटों पर चुनाव हुए। इनमें से 9 सीटें एनडीए के खाते में गईं। विपक्ष को 2 सीटें मिलीं। ओडिशा और हरियाणा में कांग्रेस के विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। बिहार में विपक्ष के 4 विधायक वोट डालने ही नहीं पहुंचे। इससे भाजपा को फायदा मिला।

निर्माण श्रमिक पंजीयन में अनियमितता, श्रम निरीक्षक निलंबित

रायपुर। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े प्रकरण में प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर जिला जांजगीर-चांपा के श्रम निरीक्षक लक्ष्मण सिंह मरकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जिला जांजगीर-चांपा द्वारा 02 मार्च 2026 को कलेक्टर को शिकायत भेजी गई थी। इस संबंध में विधानसभा सदस्य श्री बालेश्वर साहू द्वारा विधानसभा में ध्यानाकर्षण के जरिए मुद्दा उठाया गया। इसके बाद कलेक्टर जांजगीर-चांपा द्वारा कराई गई प्राथमिक जांच में निर्माण श्रमिक के पंजीयन में प्रथम दृष्टया अनियमितता परिलक्षित हुई। जांच में पंजीयन आवेदन स्वीकृत करने वाले क्षेत्रीय श्रम निरीक्षक श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम, कार्यालय श्रम पदाधिकारी जिला जांजगीर- चांपा की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच संस्थित की गई है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 1.25 करोड़ की ठगी

रायपुर। साइबर ठगी के बड़े मामले का खुलासा हुआ है, जहां डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 1.25 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने हरियाणा से गिरफ्तार किया है। पीड़ित सपन कुमार को अज्ञात नंबर से कॉल कर खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया गया। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा केस दर्ज होने का डर दिखाकर उसे 24 घंटे व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर निगरानी में रखा, जिसे डिजिटल अरेस्ट बताया गया। डर और दबाव में आकर पीड़ित से करीब 1.25 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। मामले की जांच में पुलिस ने रकम को अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर होते हुए ट्रैक किया और तत्काल होल्ड करवा दिया। अब तक 58 लाख रुपये पीड़ित को वापस कराए जा चुके हैं, जबकि बाकी रकम भी खातों में होल्ड है। लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर मुख्य आरोपी सोमनाथ महतो को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया।

आधी रात कैंप-2 में बवाल : दो बच्चों का विवाद दो पक्षों में बदला, छावनी में तब्दील पूरा इलाका

कैंप-2 के सोनकर मोहल्ला व गफ्फार मोहल्ले के लोगों के बीच जमकर हुआ विवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के छावनी थाना क्षेत्र में सोमवार आधीरात को ऐसा बवाल हुआ कि पूरा क्षेत्र छावनी में तब्दील हो गया। दरअसल यहां दो बच्चों के बीच की लड़ाई ने ऐसा तेल पकड़ा कि यह दो समुदायों के विवाद में बदल गया। पत्थरबाजी और लाठी डंडा सबकुछ चल गए। घटना की सूचना मिलते ही अलग अलग थानों का बल मौके पर पहुंचा। देर रात घंटों यहां हो हल्ला होता रहा। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मामला शांत कराया। हालांकि क्षेत्र में अभी तनाव का माहौल है। हालांकि, लव अफेयर का एंगल भी सामने आया है। आशंका जताई जा रही है कि इसी रंजिश में विवाद हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा घटना क्रम छावनी थाना क्षेत्र के कैंप-2 क्षेत्र में सोनकर मोहल्ला व गफ्फार मोहल्ला का है। बताया जा रहा है कि यहां दो बच्चों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बच्चों के विवाद में बड़े कूद गए। एक समुदाय के खिलाफ दूसरे समुदाय के लोगों के लोगों आरोप

प्रत्यारोप शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद ऐसा बढ़ा कि पत्थर बाजी शुरू हो गई। कार के शीशे टूटे और कुछ बाइक को भी नुकसान पहुंचा। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट और लाटी डंडे भी चलने लगे।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस

सोनकर मोहल्ला व गफ्फार मोहल्ले दो समुदायों का विवाद की सूचना जैसे ही पुलिस को लगी तत्काल मौके पर फोर्स भेजा गया। थानों के बल के साथ ही रिजर्व बल को भी मौके पर भेजा गया। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस के साथ भी धक्का मुक्की हुई। विवाद को बढ़ता देख पुलिस ने मोर्चा संभाला और दोनों समुदायों के लोगों को शांत कराया। देर रात शुरू हुआ विवाद आधी रात के बाद तक चलता रहा। पुलिस बल सारी रात मौके पर पहरा देता रहा। माहौल न बिगड़े इसके लिए पुलिस जवान मौके पर ही डटे रहे। दुर्ग, भिलाई, छावनी के सीएसपी के साथ एडिशनल एसपी सिटी और ग्रामीण भी देर रात तक मौजूद रहे।

छावनी थाने का हुआ घेराव

मोहल्ले में विवाद के बाद हिंदू संगठनों के लोगों ने छावनी थाने का घेराव कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने समझाइश देकर भीड़ को शांत कराया, हालात पर नियंत्रण पाया। एक पक्ष का आरोप है कि कुछ दिन पहले मोहल्ले का युवक एक युवती को लेकर भाग गया था। बाद में दोनों को वापस बुलाया गया, युवती को उसके घर भेजा गया। युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा गया। आरोप है कि उसी रंजिश में यह विवाद हुआ। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

स्थिति नियंत्रण में, जांच जारी

एएसपी ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि दो बच्चों के बीच विवाद हुआ और धीरे-धीरे दोनों पक्षों के बड़े लोग भी इसमें शामिल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को संभाला। फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। दोनों पक्षों से बातचीत जारी है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक, 400 की मौत

हमले में 250 से ज्यादा घायल, तालिबान ने कहा- पाक ने बेगुनाह लोगों को मारा

काबुल। पाकिस्तान ने सोमवार रात एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की है। पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया, जिनमें एक हॉस्पिटल भी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 400 लोगों की मौत हो गई, वहीं 250 से ज्यादा घायल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक दारुलअमान, अरजान कीमत, खैरखाना और काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास कई जगहों पर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तान ने इस कार्रवाई के दौरान बेगुनाह लोगों को निशाना बनाया है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एयरस्ट्राइक अस्पताल पर की गई, जिससे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं।

प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने पाकिस्तान से बदला लेने की बात कही। उन्होंने कहा, बातचीत और कूटनीति का समय अब खत्म हो चुका है; हम पाकिस्तान से बदला लेंगे। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद का बयान टोलो न्यूज पर प्रसारित हुआ। इसके मुताबिक उन्होंने कहा, काबुल में कुछ ठिकानों पर पाकिस्तानी सेना के हमलों के बाद, इस्लामाबाद के साथ कूटनीति और बातचीत का समय अब समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि बातचीत का रास्ता अपनाने के बजाय, अब तालिबान बदला लेने का इरादा रखता है।

आठ सांसदों का निलंबन सशर्त वापस, चेतावनी भी

नई दिल्ली। संसद में निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन आज वापस ले लिया गया है। मंगलवार को संसद में प्रस्ताव लाकर इन सांसदों का निलंबन रद्द किया किया। साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई कि आगे इस तरह का आचरण न अपनाए। सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी। वहीं बीजेपी ने दावा किया है कि पक्ष और विपक्ष के बीच दो समझौते हुए हैं, जिसके तहत अब विपक्ष फर्जी बयानबाजी नहीं करेगा।

सभी 8 सांसदों का निलंबन रद्द होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि यह रद्द हो गया है।' बीजेपी सांसद निशिकांत ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि आज कांग्रेस पार्टी के सांसदों का निलंबन शायद वापस होगा। यह पहला समझौता हुआ कि विपक्ष के नेता अनर्गल, बेबुनियाद,तथ्यहीन,बकवास बातें सदन में नहीं करेंगे।

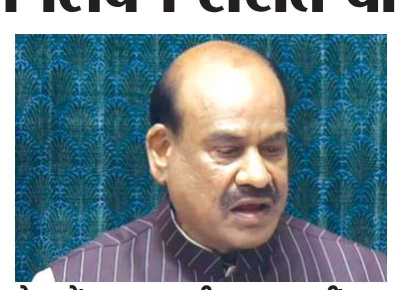

वेल में सत्ता पक्ष की तरफ नहीं जाएंगे विपक्ष के सांसद

निशिकांत दुबे ने आगे बताया कि, दूसरा समझौता हुआ है कि वेल में विपक्ष के सांसद सत्ता पक्ष की तरफ नहीं जाएंगे, कागज नहीं फेंकेंगे, लोकसभा के मेज पर चढ़कर उत्पात नहीं मचाएंगे , लोकसभा के अधिकारियों के साथ अभद्रता नहीं करेंगे। सूत्रों के अनुसार, ऑल पार्टी मीटिंग में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद शामिल हुए और बैठक में इस बात पर राय बनी थी कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने के लिए निलंबन को समाप्त किया जाना चाहिए।

8 सांसदों का निलंबन समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाया

मंगलवार को विपक्ष की ओर से संसद में 8 सांसदों का निलंबन समाप्त करने के लिए प्रस्ताव लाया गया, जिस पर सदन की सहमति से निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि हाल ही में सदन की कार्यवाही के दौरान हंगामे और कथित तौर पर अनुचित भाषा के इस्तेमाल के कारण आठ सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद विपक्ष ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की थी। सोमवार को हुई सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई और अंततः इस बात पर सहमति बनी थी कि सदन के सुचारु संचालन और राजनीतिक सहमति के माहौल को बनाए रखने के लिए निलंबन वापस लिया जाना चाहिए। प्रस्ताव पारित होने के बाद अब यह सभी सांसद संसद की कार्यवाही में सुचारु रूप से भाग ले सकेंगे।

सीएम साय ने किया विधानसभा परिसर में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ, दिया स्वस्थ्य रहने का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिविर में स्वयं स्वास्थ्य जांच कराकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों में कमी आने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां

तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने से व्यक्ति समय रहते जागरूक रहकर आवश्यक सावधानी अपनाते हुए गंभीर बीमारियों से बचाव कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और समृद्ध राज्य की नींव होते हैं। मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर न केवल लोगों को जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले में एफआईआर, छात्र संगठन ने किया था दावा, पुलिस व साइबर टीम ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित 12वीं की परीक्षा के हिन्दी पेपर लीक मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा साइबर सेल में इस संबंध में शिकायत दर्ज जांच की मांग की गई।

बता दें छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 14 मार्च 2026 को कक्षा 12 वीं की हिन्दी विषय की बोर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। इस संबंध में मण्डल को 15 मार्च 2026 की शाम 5 बजे सोशल मीडिया व 16 मार्च 2026 को मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मिली कि छात्र संगठन द्वारा यह दावा किया गया है कि उक्त परीक्षा के एक दिन पूर्व दिनांक 13 मार्च हिन्दी विषय से संबंधित प्रश्नों का एक पर्चा वायरल

हुआ था।

रिपोर्ट के अनुसार वायरल पर्चे में अंकित प्रश्नों तथा परीक्षा में पूछे गए हिन्दी विषय के बी-सेट प्रश्नपत्र के प्रश्नों में समानता होने का दावा किया जा रहा है। तथापि, सोशल मीडिया में वायरल तथा समाचार पत्रों में प्रकाशित उक्त पर्चा स्पष्ट एवं पठनीय नहीं है, जिससे उसकी सत्यता का प्रत्यक्ष परीक्षण संभव नहीं हो पा रहा है। सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल स्पष्ट करता है कि संबंधित वीडियो/सामग्री परीक्षा सम्पन्न होने के बाद सामने आई है, अतः प्रथम दृष्टया इसे प्रश्नपत्र लीक की घटना के रूप में नहीं माना जा सकता।

फिर भी परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य को दृष्टिगत रखते हुए मण्डल द्वारा इस मामले को गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लिया गया है और एहतियात के तौर पर संबंधित प्रकरण में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराते हुए पुलिस एवं साइबर सेल से विस्तृत जांच कराने की कार्रवाई की जा रही है, ताकि तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट हो सके। सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने कहा है कि परीक्षाओं की गोपनीयता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

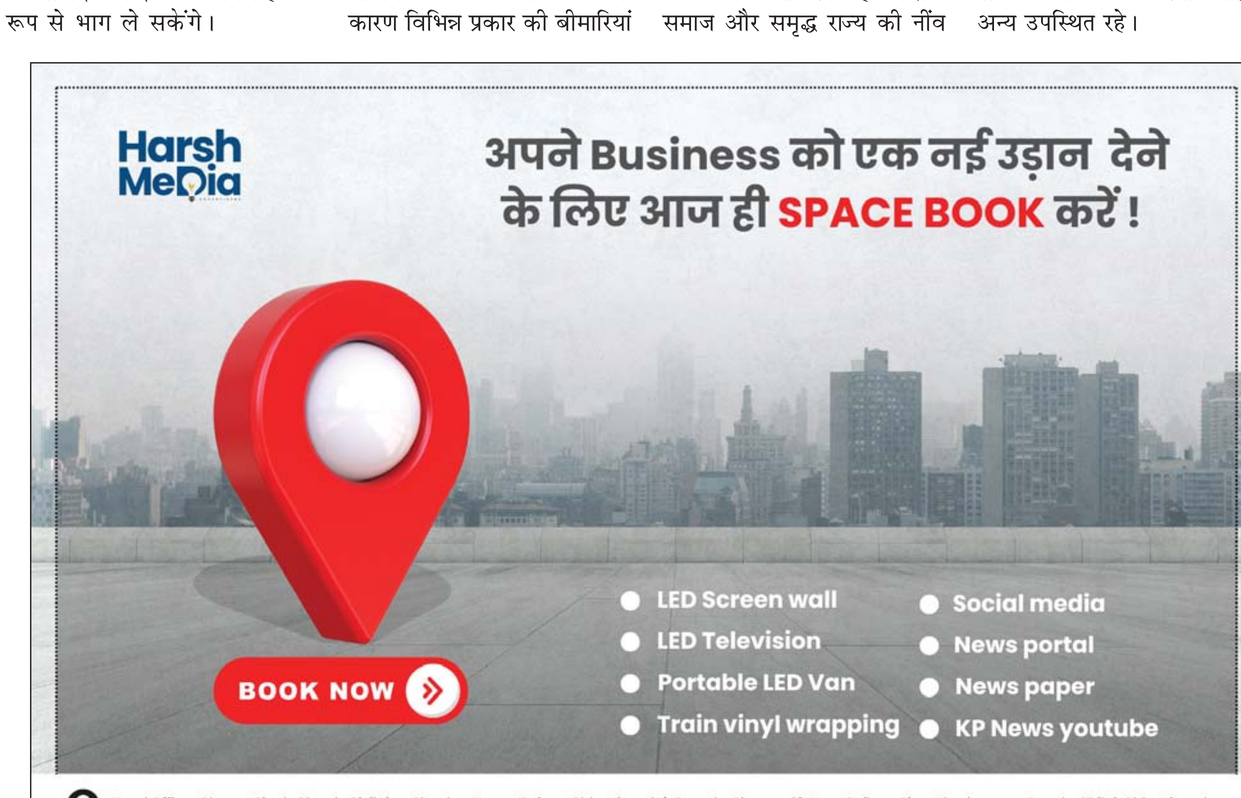

संपादकीय

जन्मदात्री की रक्षा

पंजाब-हरियाणा में मातृ-स्वास्थ्य को गंभीरता से लें

हालांकि, पंजाब में पिछले दिनों सामने आए मातृ स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े कुछ हद तक उम्मीद जरूर जगाते हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। राज्य में बच्चे को जन्म देने के दौरान मातृ मृत्यु दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। जो निश्चित रूप से गर्भावस्था और प्रसव के दौरान माताओं की सेहत की सुरक्षा करने में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की क्षमता में क्रमबद्ध सुधार का ही संकेत देती है। लेकिन, इस मामूली गिरावट के बावजूद एक गंभीर चिंता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि प्रगति अभी भी धीमी व असमान गति वाली है। दरअसल, मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों के रूप में मापी जाती है। जिसे व्यापक अर्थों में किसी भी समाज की स्वास्थ्य सेवा की क्षमता तथा समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक भी माना जाता है। इस तरह मातृ मृत्यु दर में आई मामूली गिरावट भी प्रसव पूर्व गर्भवती स्त्री की देखभाल, संस्थागत स्तर पर प्रसव कराने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की स्थिति में सुधार को ही दर्शाती है।

> “ दरअसल, मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों के रूप में मापी जाती है। जिसे व्यापक अर्थों में किसी भी समाज की स्वास्थ्य सेवा की क्षमता तथा समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक भी माना जाता है। इस तरह मातृ मृत्यु दर में आई मामूली गिरावट भी प्रसव पूर्व गर्भवती स्त्री की देखभाल, संस्थागत स्तर पर प्रसव कराने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की स्थिति में सुधार को ही दर्शाती है।

इसके बावजूद अभी पंजाब में मातृ स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की काफी गुंजाइश है। विशेष रूप से तब जब कि कई जिलों में मातृ मृत्यु दर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां जरूरी हो जाता है कि पंजाब के पड़ोसी राज्य हरियाणा में मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जाए। हालांकि, पहले इस दिशा में आशातीत प्रगति दर्ज की गई थी। लेकिन अब हरियाणा की मातृ मृत्यु दर यानी एमएमआर के नवीनतम मूल्यांकन चक्र में स्थिति लगभग अपरिवर्तित ही नजर आती है। निश्चित तौर पर आंकड़ों में देखी जा रही यह स्थिरता सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में एक आम चुनौती को ही उजागर करती है। निर्विवाद रूप से प्रारंभिक स्तर पर किए गए सुधार अक्सर त्वरित लाभ देते हैं, लेकिन जरूरी है कि इस दिशा में प्रगति को अनवरत बनाया रखा जाए। निस्संदेह, इस प्रगति के लिये निरंतर गहन संरचनात्मक परिवर्तनों की जरूरत होती है।

वास्तव में मातृ स्वास्थ्य रक्षा के लिये कई मोर्चों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता होती है। ऐसे में केवल अस्पतालों और योजनाओं में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं होता है। बल्कि गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल, समय रहते रेफरल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की निरंतर निगरानी करना भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, पंजाब में स्वास्थ्य संबंधी ऑडिट से पहले ही प्रणालीगत खामियों की ओर संकेत मिला है। जैसा कि निदान में देरी, प्रसवोत्तर रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का खराब प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच कमजोर समन्वय का होना भी है। निस्संदेह, इन कमियों को दूर करने के लिये जिला अस्पतालों को सुविधा संपन्न करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी जरूरत है। साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों से रेफरल नेटवर्क में यथाशीघ्र सुधार करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है। भारत सरकार ने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के क्रम में मातृ मृत्यु दर को प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 70 से कम करने का संकल्प लिया है। यदि पंजाब और हरियाणा को इस लक्ष्य को हासिल करना है तो उन्हें अपने प्रयासों में योजनाबद्ध ढंग से तेजी लानी होगी। इसमें दो राय नहीं कि मातृ मृत्यु दर महज चिकित्सा आंकड़े नहीं है। ये वो रोकी जा सकने वाली त्रासदी है, जो कई परिवारों और समुदायों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती है। निर्विवाद रूप से इस दिशा में जहां शासन की ओर से सजगता व सतर्कता की आवश्यकता होती है, वहीं चिकित्सा तंत्र से इस दिशा में गहरी संवेदनशीलता की जरूरत होती है। निश्चित रूप से हमारे समाज में आमतौर पर श्रमिक व वंचित तबका ही सरकारी अस्पतालों का रुख करता है, जो महंगे अस्पतालों में अपनों का इलाज कराने में सक्षम नहीं होता है। वे वंश वृद्धि और मातृ रक्षा की आस में सरकारी अस्पतालों का रुख करते हैं। निस्संदेह, पर्याप्त सुविधा का अभाव व समय पर उपचार न मिलने से होने वाली हानि व्यवस्था पर भरोसे को कम ही करती है।

बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है। एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया।

टूट रहा है दुबई में बसने का सुनहरा सपना

हेमंत पाल

विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है। एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया।

इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण दुबई का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। हालांकि, दुबई जाने का कारण केवल टैक्स बचाना ही नहीं है। कई उद्योगपति और कारोबारी दुबई को वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार मानते हैं। मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के बीच स्थित होने के कारण दुबई व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र बन चुका है। इसके अलावा दुबई में लग्जरी जीवनशैली, आधुनिक शहर, बेहतर परिवहन व्यवस्था और अपेक्षाकृत तेज प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी आकर्षण का कारण हैं। कई भारतीय पेशेवर और उद्यमी मानते हैं कि दुबई में कारोबार शुरू करना और विस्तार करना भारत की तुलना में आसान और तेज है। लेकिन, हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने इस आकर्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्षेत्रीय संघर्षों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने यह याद दिलाया है कि खाड़ी क्षेत्र पूरी तरह स्थिर नहीं है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, तो वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ऐसे समय में कई लोग यह महसूस करने लगते हैं कि आर्थिक लाभ के बावजूद किसी दूसरे देश में स्थायी रूप से बसना हमेशा सुरक्षित विकल्प नहीं होता। इसके विपरीत भारत एक बड़ा लोकतांत्रिक और अपेक्षाकृत स्थिर देश है। यहां मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जो नागरिकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करती है। भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है और निवेश तथा उद्यमिता के नए अवसर लगातार सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने देश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बना दिया है। ऐसे में कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए विदेश बसना हमेशा दीर्घकालिक रूप से सही फैसला नहीं होता।

एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का है। भारत छोड़कर विदेश में बसने वाले कई लोगों को समय के साथ यह महसूस होता है कि अपने समाज, संस्कृति और परिवार से दूर रहना आसान नहीं होता। दुबई जैसे देशों में भले ही भारतीय समुदाय बड़ा हो, लेकिन वहां की नागरिकता व्यवस्था और सामाजिक ढांचा अलग है। अधिकांश विदेशी नागरिकों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिलती, जिससे उनका भविष्य हमेशा अनिश्चित बना रहता है। हाल के वर्षों में यह भी देखने को मिला है कि कुछ लोग विदेश में रहने के बाद वापस भारत लौटने का निर्णय ले रहे हैं। भारत की बढ़ती आर्थिक संभावनाएं, तकनीकी विकास और बेहतर जीवन के अवसर इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा किए गए कई आर्थिक सुधारों और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की कोशिशों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

दरअसल, विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। जरूरी यह है कि लोग आर्थिक लाभ के साथ-साथ सुरक्षा, स्थिरता, सामाजिक जुड़ाव और भविष्य की संभावनाओं जैसे पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार करें।

दुबई और खाड़ी देशों का आकर्षण अपनी जगह है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या केवल आर्थिक कारणों से विदेश बसना सही फैसला है। भारत आज तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और यहां अवसरों की कोई कमी नहीं है। ऐसे में शायद यह समय है जब लोग केवल टैक्स के नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने फैसलों पर पुनर्विचार करें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संवैधानिक मर्यादा का खुला उल्लंघन

अवधेश कुमार

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य प्रशासन का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रति व्यवहार न केवल लोकतांत्रिक शिष्टाचार का उल्लंघन है, बल्कि यह भविष्य के लिए एक चिंताजनक मिसाल भी है। ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडा में फंस गई हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। आप 50 बार आएं तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा। भाजपा की चिंता सत्ता होती है और मेरी चिंता मेरे राज्य की जनता होती है। यानी वह कह रही थीं कि आप भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार बंगाल आती हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता। क्या ममता बनर्जी की इस तरह की भाषा और व्यवहार को सामान्य लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान की भावनाओं के अनुरूप भी माना जा सकता है?

ममता बनर्जी इसके पहले राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग, केंद्रीय जांच एजेंसियों और कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मु पश्चिम बंगाल में 9वां अंतरराष्ट्रीय संताल समारोह एवं कांफ्रेंस को संबोधित करने गई थीं। यह कार्यक्रम बागडोगरा हवाई अड्डा के पास सिलीगुड़ी महकमा परिषद के गोंसाईपुर में आयोजित किया गया।

पहले यह विधाननगर में आयोजित होना था, लेकिन बंगाल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थानांतरित कर दिया। नए स्थान तक पहुंचना कठिन था और इतना छोटा था कि ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकते थे। स्वाभाविक था कि राष्ट्रपति विधाननगर भी गईं, संथाल भाई-बहन वहां भी थे। वहां उन्हें राज्य सरकार के रवैये के प्रति अपना असंतोष प्रकट करने तथा सच्चाई अभिव्यक्त करने को बाध्य होना पड़ा। वस्तुतः बंगाल की धरती पर उतरने के समय से ही सरकार द्वारा राष्ट्रपति की अवहेलना और अपमान की शुरुआत हो गई थी।

सामान्य प्रोटोकाल और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री या अगर किसी कारणवश वह नहीं आ सकें तो उनकी जगह कोई मंत्री रहते हैं। इसके साथ प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहते हैं, लेकिन राष्ट्रपति मुर्मु के स्वागत के लिए वहां ये नहीं थे। स्वतंत्र भारत में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब कोई राज्य सरकार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए उपयुक्त जगह की अनुमति न दे, उनकी पूरी तरह अवहेलना करे और असंतोष व्यक्त करने पर प्रतिक्रिया ऐसे दे जैसे अपने किसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धी से टकरा रही है। राष्ट्रपति देश के संवैधानिक अभिभावक होते हैं। सभी को उस पद की गरिमा और स्थापित परंपरा के अनुरूप सम्मान देना होता है।

राष्ट्रपति की भावनाओं को मुख्यमंत्री के नाते ममता बनर्जी को गंभीरता से लेना चाहिए था, लेकिन बजाय इसके उन्होंने राष्ट्रपति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने यहां तक कहा कि सम्मेलन, उसकी फंडिंग, आयोजकों के बारे में उन्हें कुछ भी पता नहीं था। राष्ट्रपति के किसी प्रदेश में दौरे की सूचना राज्य सरकार के पास सबसे पहले जाती है। उसमें उनके सारे कार्यक्रम वर्णित होते हैं। राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रदेश सरकार के साथ संपर्क में रहते हैं। उसके अनुसार उनका प्रोटोकाल, कार्यक्रम में सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं होती हैं।

क्या ममता बनर्जी के प्रशासन ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बारे में उन्हें जानकारी ही नहीं दी? अगर ऐसा है तो इसकी जांच होनी चाहिए, किंतु ममता के व्यवहार से ऐसा लगता नहीं कि उन्हें कुछ पता नहीं था।? बंगाल के मीडिया ने राष्ट्रपति की यात्रा और कार्यक्रम के बारे में समाचार दिए थे। सब कुछ सामने होते हुए इस तरह का व्यवहार और वक्तव्य साबित करता है कि ममता बनर्जी की हनक के समक्ष देश के शीर्ष पद का भी कोई सम्मान नहीं।

राष्ट्रपति की उपस्थिति वाले जनजाति समाज के कार्यक्रम के प्रति जब ऐसा खराब व्यवहार है तो फिर सामान्य संगठन और राजनीतिक दलों के कार्यक्रम के साथ प्रशासन का कैसा व्यवहार होता होगा इसकी कल्पना कीजिए? बंगाल में जनजाति समुदाय की बड़ी संख्या है। स्वतंत्रता के संघर्ष में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वयं राष्ट्रपति जनजाति समुदाय से आती हैं। ममता बनर्जी स्वयं को आदिवासी समाज के लिए संघर्ष करने वाली और उनका हितैषी घोषित करती हैं।

विडंबना देखिए कि सभी? भाजपा विरोधी दल इस पर मौन हैं। इन दलों का व्यवहार हतप्रभ करने वाला है। राष्ट्रपति कह रही हैं कि ऐसी स्थिति पैदा की गई, ताकि कार्यक्रम न हो और उन्हें वापस जाना पड़े। विवेकशील लोगों को विचार करना पड़ेगा कि क्या सत्ता की राजनीति इस सीमा तक चली जाएगी, जहां प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के कार्यक्रम की व्यवस्था करने की जगह उसे हर स्तर पर विफल कर देने का व्यवहार हो? ऐसे व्यवहार का प्रतिकार होना चाहिए, ताकि आगे कभी इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश इस तरह की भयानक अराजकता में फंसेगा, जहां किसी पद या विधान की मर्यादा नहीं बचेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मस्तिष्क की सेहत पर मंडराता प्लास्टिक कणों का खतरा

मुकुल व्यास

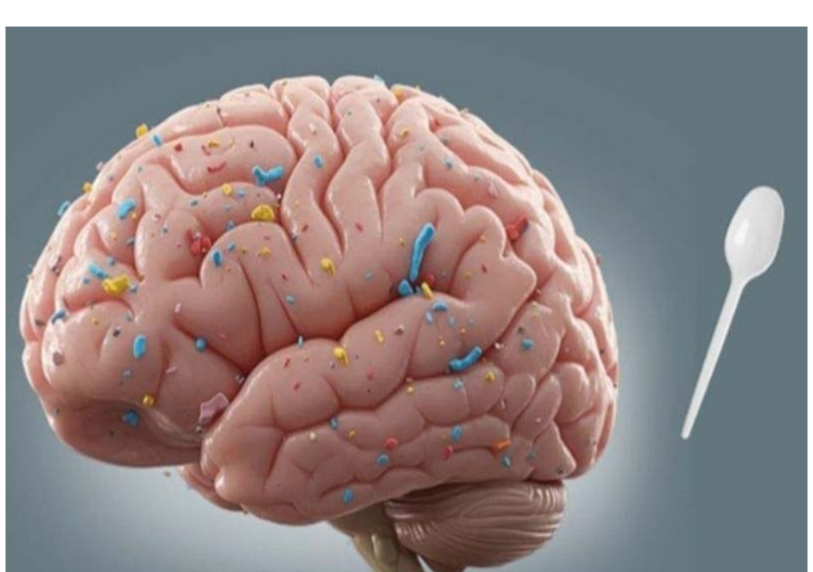

प्लास्टिक के सूक्ष्म कण पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक के कण अथवा प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े हवा से लेकर पानी और खाने तक हर चीज में पाए गए हैं। अब डोनेट किए गए 52 मानव मस्तिष्कों पर हुए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि ये माइक्रोप्लास्टिक कण मस्तिष्क के अंदरूनी हिस्सों में जमा हो सकते हैं। शोधकर्ताओं को मस्तिष्क के हर सैंपल में पॉलीइथाइलीन और दूसरे पॉलिमर के निशान मिले और उन्होंने देखा कि हाल के सैंपल में पुराने सैंपल के मुकाबले इनकी मात्रा ज्यादा थी।

वैज्ञानिकों ने पाया कि 2024 में लिए गए सैंपल में प्लास्टिक की मात्रा 2016 में देखी गई मात्रा से अधिक थी,जिससे पता चलता है कि मस्तिष्क में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर लगातार बढ़ रहा है। नई रिसर्च का नेतृत्व अमेरिका की न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी में टॉक्सिकोलॉजी के प्रोफेसर मैथ्यू कैम्पेन ने किया है। उन्होंने माइक्रोप्लास्टिक के उपयोग में सावधानी बरतने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा दुनियाभर में बढ़ता प्लास्टिक उत्पादन प्रदूषण की एक मुख्य वजह है।

विशेषज्ञों ने यह भी जांच की कि क्या कुछ खास परिस्थितियां इन वस्तुओं के जमाव को और बढ़ा देती हैं। उन्होंने डिमेंशिया के मरीज़ों के एक ग्रुप को देखा जिनके मस्तिष्क में दूसरे सैंपल के मुकाबले तीन से पांच गुना ज्यादा प्लास्टिक के कण थे। वैज्ञानिक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से देखे गए टुकड़ों के आकार देखकर हैरान गए। इन टुकड़ों में साफ-सुथरे गोलों के बजाय,कई दांतेदार, परत जैसी संरचनाएं थी। ऐसे ऊबड़-खाबड़ आकार वाले माइक्रोप्लास्टिक चिकने, गोल आकार वाले माइक्रोप्लास्टिक की तुलना में कोशिकाओं के साथ अलग तरीके से क्रिया कर सकते हैं। पहले किए गए अनेक अध्ययनों में विभिन्न मानव अंगों,जैसे रक्त धमनियों, किडनी और प्लेसेंटा में प्लास्टिक के अपशिष्ट पाए गए हैं। प्रयोगशाला में चूहों के मॉडल पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि थोड़े समय के लिए सिंथेटिक पार्टिकल के संपर्क में आने से भी कई अंगों में सूजन हो सकती है। कुछ वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इन पार्टिकल की वजह से खास बीमारियों का पता लगाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि प्लास्टिक का संपर्क लगभग हर जगह होता है।

एक अन्य रिसर्च टीम ने देखा कि मस्तिष्क के ऑलफैक्ट्री बल्ब में माइक्रोप्लास्टिक मौजूद थे, जिससे पता चलता है कि इन टुकड़ों के नर्वस टिशू में घुसने के कई रास्ते हैं। ध्यान रहे कि ऑलफैक्ट्री बल्ब मस्तिष्क का वह हिस्सा है जहां गंध की प्रोसेसिंग होती है। नई रिसर्च इस बात के प्रमाण देती है कि माइक्रोप्लास्टिक कण मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स में और भी गहराई तक जा सकते हैं। ये कण मस्तिष्क की कुशाग्रता या दूसरे कार्यों पर कैसे असर डाल सकते हैं, इस बारे में बहुत सारे सवाल हैं जिनके जवाब नहीं मिले हैं। कुछ वैज्ञानिक बताते हैं कि डिमेंशिया वाले लोगों के दिमाग में अक्सर फिल्टरिंग सिस्टम कमजोर हो जाते हैं, जिससे यह साफ नहीं होता कि प्लास्टिक की ज्यादा मात्रा ऐसी स्थितियों में योगदान करती है या यह मात्रा इसलिए ज्यादा होती है क्योंकि दिमाग उन्हें ठीक से साफ नहीं कर पाता।

जानवरों पर किए गए एक अध्ययन में माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क को याददाश्त में मामूली बदलाव और मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में शुरुआती सेलुलर स्ट्रेस (कोशिकीय तनाव) के संकेतों से जोड़ा गया है। पर्यवेक्षकों का मानना ??है कि इंसानों पर हुए अध्ययन में यह साफ होने में सालों लग सकते हैं कि क्या माइक्रोप्लास्टिक कण सीधे स्नायु संबंधी दिक्कतें लाते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी जिस तरह प्लास्टिक का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है और जिस तरह सूक्ष्म प्लास्टिक हवा, खाने और पानी के जरिए हर जगह फैल रहा है, उसे देखते हुए इस समस्या का कोई जल्दी समाधान नहीं निकल सकता।

कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि जब माइक्रोप्लास्टिक को दिमाग और दूसरे जरूरी अंगों में जाने से रोकने के लिए औद्योगिक अपशिष्ट के निपटान के बारे में कड़े नियम बनाना बहुत जरूरी है। कुछ अन्य विशेषज्ञों ने कहा कि किस प्लास्टिक की छोटे-छोटे टुकड़ों में विखंडित होने की सबसे ज्यादा संभावना है,इस पर हमें और डेटा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कणों के आकार और रासायनिक बनावट में अंतर मायने रखता है।

समुद्री जीव वैज्ञानिकों ने बताया है कि समुद्रों में प्लास्टिक के कचरे के बारे में शुरुआती चेतावनियों को ज्यादातर नज़रअंदाज़ किया गया था, इसलिए इंसानी सेहत के लिए जरूरी उपायों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ प्लायमाउथ के प्रोफेसर रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा है कि इन प्लास्टिक कणों को सेहत के नतीजों से जोड़ना एक बड़ी चुनौती है। थॉम्पसन ने ही सबसे पहले 'माइक्रोप्लास्टिक' शब्द का इस्तेमाल किया था। प्लास्टिक कणों का पता लगाने के नए तरीके वैज्ञानिकों को वह देखने में मदद कर रहे हैं जो कभी दिखाई नहीं देता था।

पिछले दस सालों में एडवांस्ड इमेजिंग टूल्स और रासायनिक विश्लेषण ज्यादा सटीक हो गए हैं, जिससे नतीजों पर भरोसा बढ़ता है। फिर भी, कई लोगों को चिंता है कि समस्या मौजूदा टेस्टों से ज्यादा बड़ी हो सकती है। अध्ययनों में उम्र,स्वास्थ्य की स्थिति और लाइफस्टाइल के फैक्टर्स का मुद्दा भी उठाया गया है, जो एक व्यक्ति के शरीर में दूसरे की तुलना में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा पर असर डाल सकते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक की इतनी विविधता होने से इसके हानिकारक प्रभाव का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। पॉलीस्टाइनिन, पॉलीप्रोपाइलीन और पॉलीइथाइलीन का आमतौर पर जिक्र किया जाता है, लेकिन दूसरे पॉलीमर भी मौजूद रहते हैं।

कुछ छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं,जबकि दूसरे रेशों में बदल जाते हैं जो टिशू में उलझ सकते हैं। विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि माइक्रोप्लास्टिक से घबराने की कोई बात नहीं है लेकिन इसके बारे में जागरूकता रहनी चाहिए। ज्यादा जागरूकता से मैन्युफैक्चरिंग के तरीकों, उपभोक्ता की पसंद और अवशिष्ट प्रबंधन में बदलाव आ सकते हैं। जैसे-जैसे ग्लोबल प्लास्टिक का उत्पादन बढ़ेगा, भविष्य में इन प्लास्टिक कणों के अधिक स्तर को रोकने के लिए और कदम उठाने होंगे। माइक्रोप्लास्टिक के बारे में भले ही कुछ सवाल बने रहें, वैज्ञानिकों का कहना है कि इंसानों,जानवरों और प्रयोगशाला में लगातार मिले नतीजे सावधानी बरतने की जरूरत की ओर इशारा करते हैं। माइक्रोप्लास्टिक दिमाग की कोशिकाओं या रक्त धमनियों को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है,इसकी गहरी समझ से बचाव के रास्ते खुल सकते हैं।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएं

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

प्रमुख खबरें

अवंती बाई चौक से शीतला कॉम्प्लेक्स तक कैनाल रोड

भिलाई। कलेक्टर अभिजीत सिंह, निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता की उपस्थिति में प्रस्तावित कैनाल रोड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। प्रस्तावित मार्ग अवंती बाई चौक से पॉवर हाउस स्थित शीतला कॉम्प्लेक्स तक बनाया जाना है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सीमांकर्न पूर्ण कर लिया गया है। सभी अवैध अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क निर्माण के कार्य को निर्बाध गति से चलाने के लिए जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

रिसामा गुंडरदेही का परसदा फाटक 25 मार्च से बंद

दुर्ग। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के दुर्ग-ताडोकी लाइन में रिसामा गुंडरदेही में स्थित मानव सहित समपार क्र. डीडी-24, कि.मी. 893/15-16(परसदा फाटक) को रोड अंडर ब्रिज निर्माण के उपरांत स्थाई रूप से बंद करने की सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं। उक्त समपार फाटक डीडी-24 को 25 मार्च की मध्यरात्रि से स्थायी रूप में बंद कर दिया जाएगा। उपरोक्त फाटक एवज में रोड अंडर ब्रिज का निर्माण किया जा चुका है।

3.5 लाख के निवेश पर किस्तों में मिलेगा फ्लैट, निगम ने दिया 'पहले आओ-पहले पाओ' का फार्मूला

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में बेघर एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

योजना के एएचपी घटक के तहत सरस्वती नगर, माँ कर्मा बोरसी, फॉर्चून हायट्स बोरसी एवं गोकुल नगर में निर्मित रिक्त फ्लैट आवास हितग्राहियों के लिए उपलब्ध हैं। इन आवासों का आवंटन 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर किया जा रहा है।

इस योजना का लाभ ऐसे हितग्राहियों को दिया जा रहा है जो अगस्त 2015 के पहले से शहर में निवासरत हैं तथा वर्तमान में किराये के मकान, किसी अन्य के मकान या कच्चे मकान में रह रहे हैं और स्वयं का पक्का घर नहीं है।

पात्र हितग्राही लगभग 3.5 लाख रुपये की लागत में किश्तों के माध्यम से फ्लैट आवास प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा हितग्राहियों की सुविधा के लिए ऋण उपलब्ध कराने हेतु फाइनेंस कंपनियों की व्यवस्था भी की गई है।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य शहर के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है।

नगर निगम द्वारा निर्मित इन फ्लैट आवासों का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राही उठाएं और अपने सपनों का घर प्राप्त करें।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि ऐसे सभी पात्र हितग्राही जो बेघर हैं या किराये के मकान में, या कच्चे मकान में रह रहे हैं और स्वयं का पक्का घर नहीं है वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

शर्त यही है कि वे अगस्त 2015 के पहले से शहर में निवासरत हैं। आवास प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राही प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय, डाटा सेंटर, नगर निगम दुर्ग में संपर्क कर योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकतें हैं तथा फ्लैट के लिए आवेदन कर सकते हैं।

संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह-2026 का समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग (सीओ सीसीडी) द्वारा आयोजित सुरक्षा जागरूकता सप्ताह एवं सुरक्षा प्रदर्शनी-2026 का समापन 16 मार्च 2026 को विभागीय परिसर में आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ। 10 से 16 मार्च 2026 तक आयोजित इस सप्ताह भर के कार्यक्रम का उद्देश्य विभाग में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों को प्रोत्साहित करना था।

समापन समारोह की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (सीओ सीसीडी) तुलाराम बेहरा तथा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं विभाग) देबदत्त सतपथी ने की। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (कोल, कोक एवं एच एंड आर) झगर सिंह, महाप्रबंधक समंता रे, महाप्रबंधक के नंदकुमार, महाप्रबंधक (सीओ सीसीडी) एसबी पाटिल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं यूनियन के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं विभाग) देबदत्त सतपथी तथा मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तुलाराम बेहरा ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सक्रिय सुरक्षा उपायों को अपनाने, गुणवत्तापूर्ण 'नियर मिस' रिपोर्टिंग की संस्कृति को मजबूत करने तथा 360 डिग्री सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभाग में सुरक्षा प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रणी सुरक्षा संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आह्वान किया तथा सभी कर्मचारियों से सतर्क रहते हुए सुरक्षित एवं दुर्घटना-मुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहने की अपील की।

कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से अनेक प्रतियोगिताएँ एवं गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

इनमें चित्रकला एवं पेंटिंग, रंगोली, टूल बॉक्स टॉक (टीबीटी), सुरक्षा नाटिका, फुल बॉडी हार्नेस पहनने की प्रतियोगिता, अग्निशमन प्रदर्शन, सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, स्पॉट द हैज़र्ड, सुरक्षा गीत, सुरक्षा कविता, सुरक्षा स्लोगन तथा सुरक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता शामिल थीं। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकों, प्रशिक्षकों तथा विजेताओं को उनकी भागीदारी और योगदान के लिए अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सुरक्षा प्रदर्शनी रही, जिसमें विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से महत्वपूर्ण सुरक्षा विषयों पर जानकारीपूर्ण प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। इन स्टॉलों में सामग्री प्रबंधन (मैटेरियल हैंडलिंग), वर्किंग एट हाइट, कॉन्फाइंड स्पेस सेफ्टी, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), विद्युत सुरक्षा तथा गैस सिलेंडरों के सुरक्षित भंडारण एवं हैंडलिंग जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। इन स्टॉलों के प्रतिनिधियों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए समापन समारोह में सम्मानित भी किया गया। इस प्रदर्शनी को सीओ सीसीडी सहित संयंत्र के अन्य विभागों के 500 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देखा तथा विज़िटर्स रजिस्टर में अपनी सकारात्मक टिप्पणियाँ दर्ज कीं।

प्रदर्शनी के सफल आयोजन में एस. मेश्राम, बिपिन बंचोरे, एस. नंदी तथा मनोज ताम्रकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समन्वयन सीओ सीसीडी विभाग के महाप्रबंधक बीसी मंडल तथा सहायक प्रबंधक आशुतोष प्रधान द्वारा किया गया व संचालन उप महाप्रबंधक श्री दुश्यंत, सहायक महाप्रबंधक श्री प्रदीप मेनन तथा श्री संतोष पराशर ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री आनंद खरात, श्री विकास कुमार गजबिया, श्री लोकेश तथा श्री प्रवीण शर्मा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

धूमधाम से मना सांसद बघेल का जन्मदिन, बधाईयों का लगा तांता

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सांसद विजय बघेल के जन्मदिन के अवसर पर क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही उनके निवास और कार्यालय में समर्थकों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का तांता लगा रहा।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कई स्थानों पर केक काटकर तथा मिठाइयां बांटकर जन्मदिन मनाया गया।

समर्थकों ने कहा कि विजय बघेल के नेतृत्व में क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे जनता को लाभ मिल रहा है। जन्मदिन के मौके पर लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करने की कामना की।

दिनभर कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों का आना-जाना लगा रहा और सभी ने उन्हें बधाई देते हुए क्षेत्र के विकास के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से रवि शंकर, सिंह शारदा गुप्ता, सुभाष साव, विनोद उपाध्याय, निशु पांडे, राजेश सिंह, बंटी नाहर, मृगेंद्र ओम प्रकाश यादव, हरिश्चंद्र भारती, राजू निर्मल भारती, कैलाश सिंह, सुरेंद्र चौहान, हरिशंकर चतुर्वेदी, आईपी मिश्रा, महेश वर्मा, अरविंद सिंह, सहित अंचल के अनेक राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला में रोचक स्पर्धाएं, उमड़ा जनता का प्रेम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले के चौथे दिन मेले में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में समरसता, सहयोग और स्वदेशी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिता मिलेट्स व्यंजन प्रतियोगिता में आज 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अरुणा जैन ने व अनिता सिंह, सुषमा सिंह, मधुस्मिता दीक्षित, संगीता चौधरी, वंशिका भी विजेता घोषित किये गए। दीपशिखा भटनागर एवम अनिता अग्रवाल निर्णायक रहीं। प्रतियोगिता सहसंयोजक सरोजनी पाणिग्रही के मार्गदर्शन में सम्पन्न हो रहीं है।

मेले में बड़ी संख्या में बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं ने न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया बल्कि समाज में आपसी सद्भाव और एकता का सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों का बढ़ता आकर्षण मेले में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। विभिन्न स्टॉलों पर देशभर से आए स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। परिवारों के साथ आए नागरिकों ने स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी के साथ मेले के मनोरंजन, फूड जोन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद लिया। मेले में लगे 300 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से देशी उद्योगों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

नई गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ शहरवासियों को आकर्षित कर रहा है तथा भिलाईवासियों का उत्साह और सहभागिता इस आयोजन को और अधिक सफल बना रही है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि स्वदेशी मेला एक बाजार नहीं एक जागरण अभियान है लोगों में स्वादेशी के प्रति लगाव बढ़ रहा है। पूर्व विधेयक प्रेम प्रकाश पांडेय ने कहा कि यह मेला स्वादेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रहा है इससे आत्मनिर्भर भारत की भावना मजबूत हो रही है।

कुरूद रोड में जाम से जनता परेशान, समाधान की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कुरूद रोड कोहका क्षेत्र में इन दिनों जाम की स्थिति बनी रहने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और स्थानीय व्यापारियों को काफी दिक्कत होती है।

जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता का कहना है कि बड़ी गाड़ियों को यू- टर्न लेने में दिक्कत हो रही है। इस सड़क का चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक है क्योंकि शैक्षणिक संस्थान होने के कारण इस सड़क पर बहुत ज्यादा रहता है। कई बार

एम्बुलेंस और आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस सकते है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

शारदा गुप्ता ने पुलिस कप्तान विजय अग्रवाल से फोन पर चर्चा कर मांग की है कि इस रोड पर 112 की गाड़ियां नियमित रूप से ग्रस्त करे। अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई की जाए । इसके साथ ही आवश्यकतानुसार सड़क चौड़ीकरण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की व्यवस्था भी की जाए।

प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि जनता की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि लोगों को जाम की परेशानी से राहत मिल सके।

उक्त मांग करने वालों में शारदा गुप्ता, निशु पांडे, मदन सेन, डॉ रमेश श्रीवास्तव, कन्हैया सोनी, बृजमोहन उपाध्याय, बंटी नाहर, विनोद उपाध्याय, अखिलेश वर्मा, जेपी घनघोरकर, संतोष जयसवाल, गुरनाम सिंह, हंसराज, पटेल, सुभाष शर्मा, प्रदीप पांडे, टिंकू, रमेश देशमुख, नेहरू साहू, तुषार देवांगन, निर्मल भारती, छोटू पासवान, मृगेंद्र कुमार, हरीशचंद्र भारती, शक्ति सिंह, टिंकू संजय दुबे, संजय साहू, गिरीश दिलीप दामले, नरेश संतोष सोनी अमोल साहु अनिल सिंह पीसी प्रसाद योगेश यादव सहित प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हैं।

बीएसपी में अंतर-विभागीय एथलेटिक्स मीट-2026 संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित भिलाई इस्पात संयंत्र अंतर-विभागीय एथलेटिक्स मीट-2026 (पुरुष एवं महिला वर्ग) का आयोजन 14 मार्च, 2026 को सेल एथलेटिक्स अकादमी, सेक्टर-4 में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र एथलेटिक्स क्लब के अध्यक्ष अजय कुमार रहे, वहीँ समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर रहे। इस अवसर पर संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग) राजेंद्र प्रसाद ने प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस एथलेटिक्स मीट में संयंत्र के विभिन्न विभागों से लगभग 95 कर्मचारियों ने भाग लिया, जिसमें पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों के प्रतिभागी शामिल थे। पुरुष एवं महिला वर्ग की 12 स्पर्धा आयोजित की गई।

पुरुष वर्ग की दौड़ प्रतियोगिताओं में 100 मीटर में कोक ओवन विभाग के श्री प्रवीण चापले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में मेडिकल विभाग के ज्ञान सिंह प्रथम रहे, जबकि 400 मीटर दौड़ में राजहरा माइंस के श्री प्रशांत मीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में एसपी-2 के बीआर नेलाम विजेता रहे। लंबी कूद प्रतियोगिता में मेडिकल विभाग के ज्ञान सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पुरुष वर्ग की भाला फेंक स्पर्धा में यूनिवर्सल रेल मिल के वेंकटरमना प्रथम रहे, वहीं गोला फेंक प्रतियोगिता में राजहरा माइंस के कृष्ण मूर्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महिला वर्ग की स्पर्धाओं में 100 मीटर तथा 200 मीटर दौड़ में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की सुश्री लेरीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में एसएमएस-3 की सुश्री सरस्वती विजेता रहीं। महिला वर्ग की भाला फेंक प्रतियोगिता में ईआरएस की सुश्री दुर्गेश प्रधान प्रथम रहीं, जबकि गोला फेंक प्रतियोगिता में एचआरङ्कवर्क्स की सुश्री रमा उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन की सराहना की गई। इस अवसर पर संयंत्र प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी खेल गतिविधियों में इसी प्रकार सक्रिय सहभागिता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

जामुल में आरएसएस ने किया भारत माता की आरती का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

जामुल। बोगदा पुलिया टंचिंग यार्ड, मणि कंचन केन्द्र के सामने स्थित गौसेवा प्रभु सेवा धाम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित 175वें साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत भारत माता की भव्य आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर एचएमजीएम जन सेवा समिति के अध्यक्ष लोकेश पांडेय अपनी टीम सहित उपस्थित रहे। उनके नेतृत्व में क्षेत्र में घूमने वाली गायों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के उद्देश्य से रेडियम बेल्ट पहनाई गई, जिससे रात में वाहन चालकों को दूर से ही गाय दिखाई दे सके। कार्यक्रम में गौ सेवा प्रमुख भिलाई दीपक यादव, राजेश निषाद, श्री सावरकर, नागेंद्र यादव, हलदर सिंह गुप्तेश्वर, निकेश बघेल, तनीष्क ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयकारों के साथ हुआ।

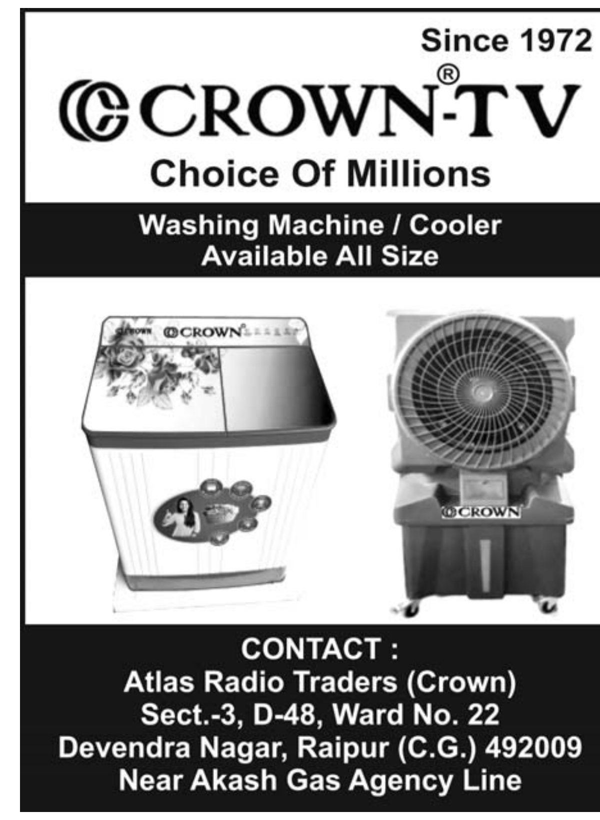

मनखे-मनखे एक समान के सिद्धांत पर चल रही है हमारी सरकार

सीजी एसीई, यूपीएससी, सीजीपीएससी सहित बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उड़ान, शिखर और मंजिल' से मिलेगा युवाओं को विशेष अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के विभाग के लिए 12 हजार 970 करोड़ रूपए की अनुदान मांगें विधानसभा में आज पारित कर दी गई है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने विधानसभा में वर्ष 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति विकास विभाग के अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में कहा कि हमारी सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े अनुसूचित जाति वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रातः स्मरणीय, विश्ववंदनीय परम् पूज्य बाबा गुरु घासीदास बाबा जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश पर चल रही है। इसी कड़ी में सरकार अनुसूचित जातियों की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए उनके समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मंत्री साहेब ने बताया कि अनुसूचित जाति कल्याण हेतु 7 करोड़ 15 लाख 39 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति उपयोजना हेतु 565 करोड़ 89 लाख 8 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार कुल बजट 573 करोड़ 4 लाख 47 हजार रुपये बजट का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष के मुख्य बजट 531 करोड़ 17 लाख 64 हजार रुपये की तुलना में 7.88 प्रतिशत अधिक है।

मंत्री श्री गुरू खुशवंत साहेब ने बताया कि राज्य के मुख्य बजट में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से 12,970 करोड़ 2 लाख 45 हजार रुपए का समेकित बजट प्रावधान किया गया है। यह राशि विकास और अधोसंरचना से जुड़ी योजनाओं पर खर्च की जाएगी।

गुरु खुशवंत साहेब ने सदन में बताया कि बजट में कई नई योजनाओं के लिए प्रावधान किया गया है। इनमें अनुसूचित जाति विकास संचालनालय की स्थापना के लिए 30 नए पदों के सृजन हेतु 2 करोड़ 26 लाख 4 हजार रुपये का प्रावधान शामिल है। परंपरागत चर्म शिल्प व्यवसाय से जुड़े लोगों की आजीविका सुधारने के लिए प्रशिक्षण और सामग्री उपलब्ध कराने हेतु 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 342 प्री-मैट्रिक छात्रावास, 92 पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास और 51 आश्रम संचालित हैं, जिनमें कुल 25 हजार 927 सीटें स्वीकृत हैं। उन्होंने बताया कि भवन विहीन संस्थाओं के लिए नए भवनों के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत बिलासपुर, मुंगेली, रायपुर, जशपुर और बेमेतरा जिलों में छात्रावास, क्रीड़ा परिसर और आवासीय विद्यालय बनाए जाएंगे। प्रदेश के बड़े शहरों छात्रावासों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर विद्यार्थियों को सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण के लिए एक करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्च प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने हेतु सीजी-अस्सिटेंस फॉर कम्पेटीटिव एक्जामिनेशन योजना शुरू किया जाएगा।

इसके तीन घटक क्रमशः 'उड़ान', 'शिखर' और 'मंजिल' के लिए कुल 7 करोड़ 47 लाख 70 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के माध्यम से इंजीनियरिंग, मेडिकल, यूपीएससी, सीजीपीएससी, एसएससी, रेलवे और बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी हमारे युवा प्रतिभागी कर सकेंगे।

धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों का विकास

मंत्री श्री साहेब ने बताया कि सतनाम पंथ के प्रवर्तक गुरु घासीदास से जुड़े तीर्थ स्थलों के विकास के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। गिरौदपुरी-भण्डारपुरी क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट, सतनाम मार्ग के विकास और सामुदायिक भवन निर्माण के लिए राशि का प्रावधान की गई है। इसके लिए कुल 2.50 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण को बढ़ी राशि

सरकार ने अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों के विकास के लिए गठित प्राधिकरण के बजट में 25 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए इसे 75 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। मंत्री साहेब ने कहा कि सामाजिक समरसता के संदेश मनखे-मनखे एक समान को आधार बनाकर सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान और विकास के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

खास खबर

अबूझमाड़ की बेटी वनिता नेताम ने 'आदि पर्व 2026' में रचा इतिहास

नारायणपुर। नवा रायपुर स्थित आदिवासी संग्रहालय में 13 एवं 14 मार्च 2026 को आयोजित 'आदि पर्व 2026' में छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की भव्य झलक देखने को मिली। इस आयोजन में प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के प्रतिभागियों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, लोक नृत्य, गीत और सांस्कृतिक परंपराओं की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से शामिल हुई प्रतिभागी वनिता नेताम ने पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा में मंच पर अपनी संस्कृति की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी पारंपरिक पोशाक और आभूषणों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया और उपस्थित दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित ट्राइबल अटायर शो को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भाग लेकर वनिता नेताम ने भी अपना नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया, जो नारायणपुर जिले और अबूझमाड़ क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। आदि पर्व 2026 का आयोजन आदिवासी संस्कृति, परंपरा और विरासत को संरक्षित करने तथा उसे देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों का जन्मदिन बना यादगार

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है - खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं। इसी क्रम में आज सहायक शिक्षक सरिता बघेल ने शासकीय प्राथमिक शाला केंद्री अभनपुर, स्पेशियलिस्ट ई एन टी में डॉक्टर संतोष कुमार भंडारी ने आँगनबाड़ी भवन कुष्टबस्ती क्षेत्र पंडरी, सहायक ग्रेड 3 कु. सुभी ठाकुर ने आँगनबाड़ी केंद्र क्रमांक - 1 लालपुर, सहायक शिक्षक ममता कंडरा ने आँगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 12 अभनपुर एवं सहायक राजस्व निरीक्षक टेशम लाल गिलहरे ने शासकीय प्राथमिक शाला नायकबाँधा अभनपुर में विद्यार्थियों के साथ जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

दो दिवसीय छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट 2026 का समापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ ग्रीन सुमीत 2026 - सस्टेनेबल सिनर्जी ट्रेडेशनली फयूचरिस्टिक के दो दिवसीय आयोजन का समापन समारोह पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के बीच व्यापक चर्चा हुई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप, मेघालय लोकायुक्त के चेयरमैन सी.पी. मारक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी. श्रीनिवास राव, प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला तथा कुलसचिव शैलेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

डिजिटल सुशासन और शासकीय खरीद में पारदर्शिता की ओर सशक्त कदम

इलेक्ट्रानिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर के सिविल लाइन्स स्थित न्यू सर्किट हाउस में सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) द्वारा विकसित इलेक्ट्रानिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। चिप्स एवं एन.आई.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में शासकीय खरीद में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए राज्य के समस्त विभागों को नवीन प्रोक्योरमेंट प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जाना है। कार्यशाला के प्रथम दिन लोक कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, गृहनिर्माण विभाग,पर्यटन विभाग सहित 50 विभागों के नोडल अधिकारी शामिल हुए, जिन्हें एन.आई.सी. नई दिल्ली से श्रीमती उषा सक्सेना, उप-महासंचालक के नेतृत्व में आये पांच सदस्यी दल द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मलिक ने बताया वर्तमान ई-खरीद प्रणाली दस वर्षों से कार्यशील है, वर्तमान प्रोक्योरमेंट प्रणाली से एन.आई.सी. द्वारा विकसित नवीन जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम की ओर माइग्रेशन प्रदेश के लिए एक नई और सशक्त शुरुआत है।

श्री मलिक ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने हेतु योगदान के लिए प्रोत्साहित किया। राज्य के विभिन्न विभागों के प्रोक्योरममेंट से सम्बन्धित नोडल अधिकारीयों को नवीन प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली की उप-महासंचालक एवं ई-प्रोक्योरमेंट ग्रुप प्रमुख उषा सक्सेना ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल सुशासन नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि टेंडर में सबसे ज़रूरी तत्व पारदर्शिता, दक्षता और समानता हैं, यानि टेंडर प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध रहना। एन.आई.सी. का जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम इन सभी ज़रूरी मानकों को पूर्ण करता है। श्रीमती उषा सक्सेना ने बताया कि जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 5-6 हज़ार निविदाएं हैंडल की जा रही हैं। इस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला के द्वितीय प्रशिक्षण सत्र में ई-खरीद से संबंधित शासकीय नीतियों, बेस्ट प्रैक्टिस, सॉफ्टवेयर फीचर के विषय में विस्तार से बताया जायेगा। अपने स्वागत उद्बोधन में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी टी. एन. सिंह ने कहा कि जेपनिक प्रोक्योरमेंट प्रणाली ई-सुशासन की दिशा में नया कदम है, यह एक कॉम्प्रेहेंसिव ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली है। इस स्केलेबल प्रणाली को राज्य की ज़रूरतों के अनुरुप री-स्ट्रक्चर और कस्टमाइज़ किया गया है। विभिन्न सुरक्षा फीचरों से सुसज्जित यह सिस्टम शासन की हर ज़रूरतों और चुनौतियों को कवर करता है।

उल्लेखनीय है कि जेपनिक ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम शासकीय खरीद के लिए विकसित एक केंद्रीय ई-खरीद प्रणाली है जिससे देश के 31 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश जुड़े हुए हैं। इस कार्यशाला में दो दिनों तक नवीन ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली से संबद्ध डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेशन, कॉन्फिगरेबल फंक्शनलिटी, ई-ऑक्शन, टेंडर प्रिपरेशन, प्राइस बिड सहित विभिन्न फीचरों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, मेट्रो रेल आदि की केस स्टडी के माध्यम से ई-प्रोक्योरमेंट बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में बताया जायेगा। साथ ही जेपनिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर प्रश्नोत्तरी के दौरान उपस्थिति अधिकारियों की जिज्ञासा का समाधान किया।

कार्यशाला में चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभात मलिक के साथ-साथ पी. रामाराव, एनआईसी, चिप्स के संयुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुपम आशीष टोप्पो, एस.ई.एम.टी. हेड आशीष जायसवाल सहित लोक कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, गृह निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग आदि 50 से अधिक विभागों के 130 से अधिक नोडल अधिकारी शामिल हुए।

मर्दापोटी-डुरकीपारा से घोटिया मार्ग में दूध नदी पर बनेगा पुल : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। कांकेर विकासखण्ड के दूरस्थ पहाड़ी में स्थित ग्राम पंचायत तुलतुली के आश्रित ग्राम कलमुच्चे में आज सोमवार को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 25 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 10 आवेदन का निराकरण मौके पर किया गया, शेष आवेदनों का नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने शिविर में आम जनता की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण की पहल की।

कलेक्टर क्षीरसागर ने जनसमस्याओं का निराकरण करते हुए कहा कि इस पहाड़ी अंचल के विकास में कोई कमी आने नहीं दी जाएगी। क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। यह अंचल कभी संवेदनशील था, जिससे विकास कार्यों में बाधा आई।

अब सभी कार्यों को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है, गांव-गांव में सड़कें, सीसी रोड बनाए जा रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या से अवगत कराया गया है, जिसका निराकरण किया जाएगा। आवागमन की दिक्कतों को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मर्दापोटी के डुरकीपारा से घोटिया मार्ग में दूध नदी पर पुल निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसकी टेंडर की प्रक्रिया जारी है। ग्राम तुलतुली से मर्रापी तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़क का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम कलमुच्चे एवं आसपास के ग्रामीणों को राशन की सुविधा मिल रही है, आधार कार्ड, राशन कार्ड बने हुए हैं। प्रधानमंत्री आवास का निर्माण भी हो रहा है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित हैं, जिसका फायदा उठाते हुए आप अपने व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं से अवगत करा सकते हैं, जिनका नियमानुसार निराकरण किया जाएगा। शिविर स्थल में आधार कार्ड अपडेशन, राशन कार्ड बनाने के लिए भी आवेदन किया जा सकता है।

खारून रिवर फ्रंट के निर्माण के लिए 84.15 करोड़ की स्वीकृति रायपुर में विकसित होगा आधुनिक पर्यटन केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । राजधानी रायपुर की जीवनदायिनी खारून नदी के तट को विकसित करने के लिए 'खारून रिवर फ्रंट' परियोजना को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण, विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए ?84.15 करोड़ की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। रायपुर पश्चिम क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से रायपुर में विकास की नई दिशा स्थापित होगी तथा यह क्षेत्र आधुनिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

परियोजना के क्रियान्वयन में तकनीकी गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। साथ ही कार्य की ड्राइंग एवं डिजाइन का परीक्षण कर उसे अनुमोदित किया जाएगा।

परियोजना के लिए आवश्यक भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए निर्माण कार्य को बाधारहित रूप से पूर्ण किया जाएगा। भू-अर्जन की स्थिति में संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

खारून रिवर फ्रंट के निर्माण से नदी तट पर व्यवस्थित घाटों का विकास होगा, जिससे श्रद्धालुओं को धार्मिक गतिविधियों में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही उद्यान, प्रकाश व्यवस्था एवं वॉकिंग ट्रैक जैसी सुविधाएं विकसित होने से यह क्षेत्र नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

परियोजना से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा तथा नदी तट के सुदृढ़ीकरण से मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण होगा। साथ ही पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह परियोजना रायपुर के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और आने वाले समय में शहर की पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

ई-केवाईसी में कोरिया जिला प्रदेश में अव्वल

वीबीजी रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी पंजीकृत श्रमिकों का आधार सत्यापन पूरा

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। ग्रामीण विकास को नई गति देने के उद्देश्य से लागू की गई वीबीजी रामजी योजना के तहत कोरिया जिले ने तकनीकी पारदर्शिता की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले में मनरेगा के अंतर्गत पंजीकृत सभी श्रमिकों का ई-केवाईसी कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही कोरिया प्रदेश का ऐसा पहला जिला बन गया है, जिसने निर्धारित समय में यह लक्ष्य हासिल किया है।

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और पंचायत अमले के समन्वित प्रयासों से जिले की सभी ग्राम पंचायतों के पंजीकृत श्रमिक परिवारों के प्रत्येक सदस्य का आधार आधारित ई-केवाईसी कार्य पूरा किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश स्तर पर अभी औसत ई-केवाईसी लगभग 92 प्रतिशत है, जबकि कोरिया जिले ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर नई मिसाल पेश की है।

मनरेगा से उन्नत होकर वीबीजी रामजी योजना की दिशा में आगे बढ़ते हुए योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों का आधार आधारित ई-केवाईसी किया गया है, जिससे अब ऑनलाइन पोर्टल पर दैनिक उपस्थिति आधार के अनुसार व्यक्ति-वार दर्ज की जाएगी।

कोरिया जिले में कुल 80,226 पंजीकृत श्रमिक हैं। इनमें जनपद पंचायत सोनहत के अंतर्गत 22,306 श्रमिक जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के अंतर्गत 57,919 श्रमिक पंजीकृत हैं। इन सभी का आधार के अनुसार ऑनलाइन पोर्टल पर ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि यह उपलब्धि जिले के उन हजारों श्रमिकों के पसीने का सम्मान है। उन्होंने बताया कि वीबीजी रामजी योजना ग्रामीणों की तकदीर व तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में ई-केवाईसी अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में प्रदेश की 146 जनपद पंचायतों में सबसे पहले जनपद पंचायत सोनहत ने शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य पूरा किया। इसके बाद जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर ने भी यह उपलब्धि हासिल कर ली। दोनों जनपद पंचायतों के प्रयासों से अब कोरिया जिला शत-प्रतिशत ई-केवाईसी करने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है, जो वीबीजी रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राजस्व से जुड़े प्रकरणों का पारदर्शी और समयबद्ध निराकरण करें - आरएस लाल

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देशन में संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर आर. एस. लाल ने राजस्व अंतर्गत विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया, आर एन पांडेय, अभिषेक गुप्ता सहित अनुविभागीय अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर लाल ने अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, अवैध ईंट निर्माण पर भी कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने प्रभावी नियंत्रण के लिए सघन निगरानी करने के निर्देश भी दिए। धान उठाव की समिति वार समीक्षा करते हुए शासन के नियमों का पालन करते हुए धान उठाव सुनिश्चित करने को कहा।

अपर कलेक्टर लाल ने तहसीलवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अविवादित-विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, अभिलेख सुधार, नक्शा बटांकन सभी राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें। ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने भू अर्जन के लंबित प्रकरणों की स्थिति, आरबीसी 6-4 भुगतान लंबित प्रकरण का अतिशीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने ई कोर्ट में लंबित प्रकरणों का भी गुणवत्तापूर्ण शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

अपर कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा है कि राजस्व न्याय से जुड़े प्रत्येक प्रकरण का पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी प्रकरण सीधे आम नागरिकों के हितों से जुड़े होते हैं, इसलिए प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ निराकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को गंभीरता से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समय-सीमा के भीतर प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। अपर कलेक्टर आर.एस. लाल ने खाद्य विभाग से एलपीजी की उपलब्धता पर भ्रामक खबरों पर आमजनों को जागरूक करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है। जिले में गैस भण्डारण एवं वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखते हुए नियमित समीक्षा की जा रही है। उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ता अपने क्षेत्र के अनुसार जिसमें नगरीय क्षेत्रों में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतराल है। इसके अनुसार उपभोक्ता सिलेंडर बूक करें। जिले में घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध उपयोग पर संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण कर कार्यवाही की जा रही है। साथ ही घरेलू गैस सिलेंडर से संबंधित किसी बुकिंग, वितरण या अन्य किसी समस्या के लिए उपभोक्ता अपने अधिकृत गैस वितरक, जिला प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 92945-21998 या राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 0771-2511975 तथा खाद्य विभाग के टोल फ्री नंबर 1800-233-3663 पर संपर्क कर सकते हैं।

सड़क सुरक्षा पर जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सुरक्षित भव फाउंडेशन द्वारा होटल बेबीलोन कैपिटल में विशेष सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान औपचारिक रूप से 'रोड सेफ्टी क्लब' का शुभारंभ भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने भाग लेकर सड़क सुरक्षा का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने प्रतिभागियों को सुरक्षित ड्राइविंग, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और ट्रैफिक सिग्नलों का सम्मान करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में घायलों को प्राथमिक उपचार देने, एम्बुलेंस को तत्काल सूचना देने और समय पर सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सतीश ठाकुर, रेड क्रॉस सोसाइटी के सहायक प्रबंधक देव प्रकाश कुर्रे, सीपीआर प्रशिक्षक डॉ. वैभव शर्मा और उनकी टीम, यातायात प्रशिक्षक टी.के. लाल भोई, होटल बेबीलोन कैपिटल के संचालक परमजीत सिंह, सुरक्षित भव फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. संदीप धूप्पड़, डायरेक्टर केशव राव, डिप्टी डायरेक्टर निधि अग्रवाल और मैत्री व्यास सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इसी अवसर पर सड़क सुरक्षा के प्रति निरंतर जागरूकता बनाए रखने के लिए रोड सेफ्टी क्लब की शुरुआत की गई और नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ भी ली। रायपुर के लिए इकबाल खान और दुर्ग के लिए हरप्रीत सिंह को क्लब का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों और नागरिकों के बीच जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और सामाजिक गतिविधियों के जरिए सुरक्षित यातायात संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा।

दोस्ताना 2 को मिली नई देसी गर्ल

प्रियंका चोपड़ा की राह पर चलीं सिनी शेट्टी

करण जौहर की फिल्म दोस्ताना में प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खूबसूरती और अभिनय से एक यादगार देसी गर्ल की छवि बनाई। उस वक्त प्रियंका मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर बॉलीवुड में छा चुकी थीं। सालों बाद दोस्ताना 2 में अब नई देसी गर्ल आ गई है और इतिहास खुद को दोहराता दिख रहा है। प्रियंका के नक्शेकदम पर चलते हुए अब पूर्वमिस इंडिया सिनी शेट्टी, लक्ष्य लालवानी और विक्रांत मैसी संग स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

धर्मा प्रोडक्शंस की दोस्ताना 2 अपनी कास्टिंग और बदलावों को लेकर काफी समय से चर्चा में रही है। इसकी शूटिंग सबसे पहले लक्ष्य लालवानी, कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के साथ शुरू हुई थी। निर्माताओं और कार्तिक के बीच अनबन की खबरों के बाद, कार्तिक इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए। इस बड़े बदलाव के बाद धर्मा प्रोडक्शंस ने फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। अब सालों बाद, फिल्म एक नई स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रही है।

इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराने जा रहा है। जिस तरह 2008 में मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा ने दोस्ताना में अपनी अदाओं से देसी गर्ल का खिताब पाया था, अब एक और सौंदर्य प्रतियोगिता की विजेता इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व मिस इंडिया सिनी शेट्टी इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। सिनी ने साल 2022 में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था।

साल 2025 में फिल्म के पुनरुद्धार के बाद लक्ष्य लालवानी के साथ अब विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ये विक्रांत की धर्मा प्रोडक्शंस के साथ पहली फिल्म होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि निर्माता सिनी शेट्टी को फाइनल करने से पहले 3 अन्य अभिनेत्रियों के नाम पर विचार कर रहे थे, लेकिन आखिरकार सिनी की प्रतिभा ने उन्हें ये बड़ा मौका दिलाया। अब सिनी फिल्म की देसी गर्ल परंपरा को एक बार फिर पर्दे पर जीवंत करेंगी।

सिनी के लिए दोस्ताना 2 मिलना सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सपने के सच होने जैसा है। दरअसल, सिनी हमेशा से प्रियंका को अपनी प्रेरणा मानती आई हैं। अब कुदरत का करिश्मा देखिए, सिनी को अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म उसी फ्रेंचाइजी की मिली है, जिसने प्रियंका को देसी गर्ल बनाया था। बता दें कि दोस्ताना बॉलीवुड की उन चुनिंदा फिल्मों में से है, जिसने ग्लैमर, कॉमेडी और एक बोल्ड विषय को बड़ी खूबसूरती से पर्दे पर उतारा था।

प्रभास की स्पिरिट में अमेरिकन इंडियन एक्ट्रेस ऐश्वर्या देसाई की एंट्री, रणवीर की फिल्म में भी आ चुकी हैं नजर

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म स्पिरिट को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं, लेकिन निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से कथित मतभेद के बाद वह फिल्म से अलग हो गईं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिससे प्रशंसकों के बीच उत्साह चरम पर पहुंच गया है। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय भी इस मेगा बजट प्रोजेक्ट से जुड़ गए हैं। हाल ही में मेकर्स ने उनका पहला लुक जारी किया। उनके पहले लुक ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। लेकिन, अब उनसे ज्यादा चर्चा नए पोस्टर में नजर आ रही एक्ट्रेस की हो रही है। पोस्टर में ऐश्वर्या देसाई भी नजर आ रही हैं, जिनकी अब हर तरफ चर्चा है। तो चलिए जानते हैं इस नई-नवेली एक्ट्रेस के बारे में।

स्पिरिट के नए पोस्टर में विवेक ओबेरॉय के साथ नजर आईं एक्ट्रेस ऐश्वर्या देसाई की बात करें तो वह एक भारतीय-अमेरिकी मॉडल हैं। ऐश्वर्या ने पहले मॉडलिंग की दुनिया में नाम कमाया और फिर अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इससे पहले वह वह रणवीर सिंह की फिल्म गली बॉय में भी नजर आ चुकी हैं और साथ ही उन्होंने रैट इन द किचन नाम की एक शॉर्ट फिल्म में भी काम किया है, जिसके लिए उन्हें पुरस्कार भी मिला। अभिनय में आने से पहले, ऐश्वर्या देसाई ने मैरीलैंड विश्वविद्यालय से मार्केटिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की थी।

ऐश्वर्या देसाई सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और आए दिन नए-नए पोस्ट साझा करती रहती हैं। उनकी इंस्टाग्राम बायो की बात करें तो उन्होंने खुद को एक मॉडल, एक्ट्रेस, ब्यूटी एक्सपर्ट और लाइफस्टाइल क्रिएटर बताया है। इंस्टाग्राम पर उनके 36,000 फॉलोअर्स हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी मॉडलिंग की तस्वीरें पोस्ट करती हैं, जिन्हें उनके प्रशंसक खूब पसंद करते हैं।

स्पिरिट में ऐश्वर्या के किरदार की बात करें तो कहा जा रहा है कि उनका किरदार कहानी में अहम भूमिका निभाएगा और फिल्म को एक नया आयाम देगा, हालांकि उनके किरदार को लेकर फिलहाल कोई और जानकारी नहीं है। ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल के बाद, निर्माता भूषण कुमार और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा अब स्पिरिट को और भी भव्य पैमाने पर पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित फिल्म स्पिरिट में प्रभास लीड रोल में हैं और उनके साथ तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं। प्रकाश राज भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म पूरे भारत में आठ भाषाओं में 5 मार्च 2027 को रिलीज होने वाली है।

यात्रा के लिए सामान पैक करते समय इन हैक्स को अपनाना हो सकता है फायदेमंद

यात्रा के लिए सामान पैक करना कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सही तरीके से पैकिंग न करने पर कई बार जरूरी चीजें छूट जाती हैं या ज्यादा सामान ले जाना पड़ता है। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार उपायों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आपकी यात्रा को और भी सुविधाजनक और आनंददायक बनाया जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर आप अपनी यात्रा को बिना किसी परेशानी के पूरा कर पाएंगे।

कपड़ों को रोल करके पैक करें

कपड़ों को रोल करके पैक करने से न केवल ज्यादा कपड़े समा सकते हैं, बल्कि इससे वे कम जगह घेरते हैं। इसके लिए सबसे पहले कपड़े को हल्का सा मोड़ें, फिर उसे रोल बनाकर कसकर बांधें। इससे कपड़े निचले हिस्से में अच्छी तरह से फिट हो जाएंगे और यात्रा के दौरान भी वे ठीक रहेंगे। यह तरीका आपके कपड़ों को अधिक व्यवस्थित और साफ-सुथरा रखने में मदद करेगा, जिससे आपकी यात्रा और भी आरामदायक बन जाएगी।

जिप लॉक बैग का करें उपयोग

जिप लॉक बैग्स का उपयोग करके आप छोटे-छोटे सामान जैसे टूथब्रश, डियोड्रेंट, या अन्य टॉयलेट्री आइटम्स को आसानी से व्यवस्थित कर सकते हैं। इन बैग्स में सामान रखने से वे सुरक्षित रहते हैं और लीक होने का डर भी कम होता है। इसके अलावा इन्हें आसानी से कैरी किया जा सकता है। जिप लॉक बैग्स का यह तरीका आपकी यात्रा को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाता है, जिससे आपको हर चीज जल्दी मिलती है और आपका समय भी बचता है।

कई काम आने वाले सामान का चयन करें

यात्रा के दौरान ऐसे सामान चुनें जो कई काम आ सकते हैं, जैसे एक ही शर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आपको कम कपड़े ले जाने की जरूरत पड़ेगी और बैग में जगह भी बचेगी। इसके अलावा आप एक ही जैकेट या स्वेटर को कई बार पहनकर अलग-अलग लुक पा सकते हैं। इससे न केवल आपका वजन हल्का होगा बल्कि आप अपनी यात्रा को भी आरामदायक बना सकेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्जर्स को व्यवस्थित रखें

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्जर्स अक्सर यात्रा के दौरान गड़बड़ हो जाते हैं। इन्हें व्यवस्थित रखने के लिए छोटे-छोटे पाउच या रबर बैंड का उपयोग करें ताकि वे उलझें नहीं। इसके अलावा आप कुछ छोटे कार्डबोर्ड का टुकड़ा लेकर उसमें छेद करके रबर बैंड डाल सकते हैं, जिससे चार्जर्स आसानी से पहचाने जा सकें। इस तरीके से आपकी यात्रा अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनेगी। इस तरह के उपाय अपनाकर आप अपनी यात्रा को और भी आनंददायक बना सकते हैं।

यात्रा के दौरान आरामदायक कपड़े पहनें

यात्रा के दौरान आरामदायक कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। इसके लिए सूती या हल्के कपड़े चुनें जो आपको ठंड से बचाएंगे और आरामदायक महसूस करवाएंगे। इसके अलावा ढीले-ढाले कपड़े जैसे योगा पैंट्स या आरामदायक टॉप्स भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी अगली यात्रा को अधिक आनंददायक बना सकते हैं और किसी भी तरह की परेशानी से बच सकते हैं।

शादी के बाद काम पर लौटीं रश्मिका शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

विजय देवकरोंडा से शादी के बाद रश्मिका मंदाना अब काम पर लौट आई हैं। उन्हें हाल ही में फिल्म के सेट पर देखा गया। रश्मिका ने फिल्म 'मैसा' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म के निर्देशक रविन्द्र पुले ने यह जानकारी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की है।

रश्मिका मंदाना कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। इनमें फिल्म 'मैसा' भी शामिल है। रश्मिका मंदाना ने शादी के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डायरेक्टर रविंद्र पुले ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सेट से फोटो शेयर करते हुए रश्मिका को टैग किया है। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'मैसा'। शुरुआत हो गई है'।

उदयपुर में हुई रश्मिका विजय की शादी

निर्देशक रविंद्र पुले ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें जंगलनुमा एरिया नजर आ रहा है। कास्ट और क्रू के सदस्य दिख रहे हैं। हालांकि, रश्मिका मंदाना नजर नहीं आ रही हैं। रविंद्र ने एक अन्य फोटो भी साझा की है, जिसमें वे खुद सेट पर दिख रहे हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को विजय देवरकोंडा से उदयपुर में शादी रचाई।

रश्मिका की आगामी फिल्में

रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें 'कॉकटेल 2', 'रणबाली', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'मैसा' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'रणबाली' में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा।

एक्रोमैटोप्सिया से पीड़ित सुपरहीरो का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा, सुपर वेली फिल्म का फर्स्ट लुक जारी

फिल्मी दुनिया में सुपरहीरो पर आधारित कहानियां हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। इस कड़ी में अब एक ऐसी फिल्म आने वाली है, जिसमें सुपरहीरो का अंदाज बिल्कुल अलग और अनोखा होगा। अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आगामी फिल्म सुपर वेली में एक ऐसे सुपरहीरो का किरदार निभाने जा रही हैं, जो सुपरहीरो की पावर को गंभीरता से नहीं लेती। उन्होंने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। फर्स्ट लुक के वीडियो से साफ जाहिर है कि इस फिल्म में उनका किरदार थोड़ा आलसी, अजीब और मजाकिया अंदाज वाला है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने मजाक में कहा था कि मैं वेली हूं। आम बोलचाल की भाषा में वेली शब्द का मतलब होता है कि कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास करने के लिए कोई काम न हो या जो खाली बैठा हो। उनके इस वीडियो को कुछ यूजर्स ने गलत तरीके से समझ लिया और कहने लगे कि अदा शर्मा के पास काम नहीं है और वह खाली बैठी हैं।

लेकिन अब, जब अदा शर्मा ने फिल्म के टाइटल का खुलासा किया, तो लोगों को समझ आया कि वह अपनी आने वाली फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं।

फर्स्ट लुक वीडियो में वह अपने किरदार के बारे में बताती दिख रही है, वह कहती है, मेरा नाम वेल्ली नहीं वेली है, लेकिन आप मुझे वेल्लीविजिलक्ष्मी कृष्णमूर्ति चंद्रशेखरानवामी अय्यर कह सकते हैं। वह आगे बताती है कि वह एक्रोमैटोप्सिया है यानी कलर ब्लाइंड.. इससे पीड़ित इंसानों को दुनिया केवल काले, सफेद और ग्रे कलर में दिखाई देती है।

सुपर वेली में उनका अंदाज पूरी तरह बदला दिखेगा। यह फिल्म एक ऐसे सुपरहीरो की कहानी दिखाती है, जो पारंपरिक हीरो की तरह जिम्मेदार नहीं है। फिल्म के फर्स्ट लुक में अदा शर्मा का सुपरहीरो किरदार दुनिया को बचाने की जिम्मेदारी उठाने से ज्यादा आराम करना पसंद करती है। वह अक्सर सोने या आराम करने के बारे में ही सोचती है, बावजूद इसके किसी न किसी तरह बड़ी घटनाओं के बीच पहुंच जाती है। कभी वह बेहद अनाड़ी लगती है, तो कभी अचानक समझदारी भरा कदम उठाती नजर आती है।

फिल्म का निर्देशन राजेश बच्चानी कर रहे हैं। उन्होंने अदा शर्मा के चयन को लेकर कहा, मुझे अदा की एक्टिंग काफी पसंद है। खास तौर पर फिल्म कमांडो में उनका किरदार मुझे बहुत पसंद आया था। उनमें एक अलग तरह की प्रतिभा है। उनके अभिनय में स्वाभाविकता, समझदारी और हल्का-फुल्का मजाकिया अंदाज भी देखने को मिलता है। इसलिए फिल्म के किरदार के लिए वह मुझे सही लगीं। इस फिल्म की कहानी पर मैं पिछले तीन साल से काम कर रहा हूं और मैं दर्शकों के सामने कुछ नया और ताजगी भरा कंटेंट पेश करना चाहता हूं।

निक जोनस का हाथ थामे रेड कार्पेट पर उतरीं प्रियंका चोपड़ा, व्हाइट गाउन में दिखीं बेहद ग्लैमरस

प्रियंका चोपड़ा ने ऑस्कर अवॉर्ड्स 2026 के रेड कार्पेट पर अपनी शानदार एंट्री से सभी का ध्यान खींच लिया। इस खास मौके पर वह अपने पति निक जोनस का हाथ थामे रेड कार्पेट पर पहुंचीं। इस साल सेरेमनी में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा बतौर अवॉर्ड प्रेजेंटर ऑस्कर अवॉर्ड्स में शामिल हुईं। वे अपने पति निक जोनस के साथ रेड कार्पेट पर नजर आईं। रेड कार्पेट पर दोनों ने साथ में पोज दिए और पैपराजी के सामने कई प्यारे पल भी शेयर किए।

प्रियंका ने चुना खूबसूरत स्ट्रैपलेस सफेद गाउन

इस प्रतिष्ठित शाम के लिए प्रियंका ने डायर का बेहद खूबसूरत स्ट्रैपलेस सफेद गाउन चुना। ये व्हाइट कलर का था और नीचे की तरफ से लंबा फ्लोइंग डिजाइन था, जिसमें हाई स्लिट और स्कर्ट पर पंख जैसी डिटेलिंग नजर आ रही थी।

डायमंड नेकलेस के साथ पूरा किया आउटफिट

प्रियंका ने अपने लुक को ब्लैक पॉइंटेड हील्स और चमकदार डायमंड नेकलेस के साथ पूरा किया। उन्होंने बालों को सीधा और स्लीक रखा। वहीं उनका मेकअप सॉफ्ट और ग्लोइंग था।

क्लासिक रेड कार्पेट लुक में नजर आया कपल

निक जोनस की बात करें, तो वे क्लासिक ब्लैक वेलवेट टक्सीडो, सफेद शर्ट और बो टाई में बेहद स्टाइलिश नजर आए। दोनों का आउटफिट एक क्लासिक रेड कार्पेट लुक दे रहा था। रेड कार्पेट पर पहुंचने से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ इंस्टाग्राम स्टोरी पर तैयारियों की क्लिप्स भी शेयर की। एक छोटे से वीडियो में वह इसी सफेद डियोर गाउन में अवॉर्ड सेरेमनी के लिए तैयार होती नजर आईं और उनके साथ निक जोनस भी थे। उन्होंने अपने ड्रेसिंग रूम के कुछ बिहाइंड द सीन मोमेंट्स भी शेयर किए, जहां उनकी टीम उनके लुक को फाइनल टच दे रही थी। एक क्लिप में गाउन को करीब से भी दिखाया गया, जिस पर पर्सनलाइज्ड टैग लगा था।

प्रेजेंटर के तौर पर शामिल हुईं थीं प्रियंका

बता दें कि इस साल सेरेमनी में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा बतौर अवॉर्ड प्रेजेंटर ऑस्कर अवॉर्ड्स में शामिल हुई थी। उन्होंने स्पेनिश एक्टर जेवियर बार्डेम के साथ मिलकर 'बेस्ट इंटरनेशनल फीचर' फिल्म कैटेगिरी के विनर्स का नाम अनाउंस किया।

खास खबर

जिले में सघन एफएमडी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

कांकेर। पशुओं के खुर-पका, मुंह पका रोग से बचाव के लिये विशेष टीकाकरण अभियान की शुरूआत जिले में हो गयी है। यह अभियान केन्द्र सरकार की योजना राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चलाया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरेश मंडावी ने जिला पंचायत परिसर से टीकाकरण दल को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान गाय, भैंस दोनो प्रजातियों के पशुओं का खुर-पका, मुंह-पका रोग से बचाव के लिये टीकाकरण किया जायेगा। इस अभियान के सफल संचालन के लिए 84 टीकाकरण दल का गठन किया गया है, जिनके द्वारा जिले के समस्त ग्रामों में टीकाकरण कार्य किया जाएगा। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. सत्यम मित्रा ने बताया कि खुर-पका, मुंह पका रोग खुर वाले पशुओं का अत्यंत संक्रामक एवं घातक विषाणुजनित रोग है, जो गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर आदि पशुओं को प्रभावित करता है। यह रोग पशुओं में तेजी से फैलता है।

एमसीबी में 23 मार्च को रोजगार मेला, निजी कंपनियों में नौकरी का मौका

एमसीबी। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र मनेन्द्रगढ़ के माध्यम से 23 मार्च 2026 को प्लेसमेंट कैंप आयोजित होगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक लगेगा, जहां निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी। इस मेले में गुरुग्राम स्थित एक निजी कंपनी द्वारा आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए मीटर इंस्टॉलेशन के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। उनकी नियुक्ति छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में की जाएगी। जिला रोजगार कार्यालय के अनुसार, यह प्लेसमेंट कैंप पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा।

कलेक्टर के निर्देशन में विकास कार्यों में आएगी तेजी

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में संचालित मिशन कनेक्ट कोंटा के अंतर्गत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इसी क्रम में सभी सरपंचों को विभिन्न विकास कार्यों के लिए लगभग 7 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति (एएस) प्रदान की गई है, जिससे पंचायत स्तर पर आवश्यक निर्माण एवं जनहित के कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जा सकेगा। बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा कोंटा क्षेत्र में निर्माणाधीन प्रशासनिक परिसरों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। वर्तमान में क्षेत्र के 11 स्थानों पर प्रशासनिक परिसर का निर्माण कार्य किया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर सुगमता से उपलब्ध हो सकें।

मंत्री केदार कश्यप के विभागों के लिए 3 हजार 622 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान मांगें पारित

- वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को ई-कुबेर योजना हेतु मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार
- वन आवरण के मामले में राज्य देश में तीसरे स्थान पर
- वन्यप्राणी संरक्षण एवं संवर्धन तथा उनके रहवास विकास हेतु 320 करोड़ रूपए का प्रावधान
- ग्रामीण बस योजना, ई-मॉनिटरिंग और किसानों को ब्याज मुक्त ऋण
- 80 मार्गों पर लगभग 560 गांवों को पहली बार सुगम आवागमन की सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, सहकारिता, परिवहन तथा संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप के विभागों से संबंधित 3 हजार 622 करोड़ 86 लाख 35 हजार रूपए की अनुदान मांगे विधानसभा में पारित की गई। इसमें वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग लिए 2 हजार 867 करोड़ 30 लाख रूपए, सहकारिता विभाग के लिए 389 करोड़ 40 लाख 85 हजार रूपए, परिवहन विभाग के लिए 243 करोड़ 50 लाख 50 हजार रूपए और राज्य विधानमंडल के लिए 122 करोड़ 65 लाख रूपए शामिल हैं।

मंत्री कश्यप ने अनुदान मांगों की चर्चा के जवाब में कहा कि हमारी सरकार पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा वनवासियों की आजीविका को मजबूत करने पर विशेष जोर दे रही है। राज्य में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के लिए आगामी वर्षा ऋतु में लगभग 3.50 करोड़ पौधे रोपने और वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही बिगड़े बांस वनों के पुनरोद्धार के लिए 80 करोड़ रुपये और बिगड़े वनों के सुधार के लिए 310 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 की परिकल्पना की है, जिसका उद्देश्य प्रदेश को पूर्ण विकसित एवं समृद्ध राज्य बनाना है।

इसी तरह नदी तटों पर भू-क्षरण रोकने के लिए 7 करोड़ रुपये तथा भू-जल संरक्षण योजना के लिए 120 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। इसके अलावा राष्ट्रीय और राज्य मार्गों के किनारे वृक्षारोपण के लिए भी 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने सदन में कहा कि वन्यजीव संरक्षण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसके लिए 320.58 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' योजना के तहत 23.50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मंत्री श्री कश्यप

ने बताया कि दूरस्थ अंचलों में निवासरत वनवासियों को बारहमासी आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वन मार्गों में रपटा पुल-पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। इस योजनांतर्गत इस वर्ष 5 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। साथ ही सड़कें तथा मकान निर्माण के लिए 11 करोड़ रूपए का बजट प्रास्तावित है। इसी तरह काष्ठ एवं बांस कूपों के विदोहन के उपरांत प्राकृतिक पुनरोत्पादन को बढ़ावा देने इस योजना के लिए 300 करोड़ रूपए का बजट रखा गया है। वहीं ए.एन.आर. योजनांतर्गत भी 300 करोड़ रूपए का प्रावधान है। इसी तरह वनवासियों को उनके मालिकाना हक की भूमि में ईमारती लकड़ी के विदोहन के लिए 183 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को ई-कुबेर योजना हेतु मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसी तरह कांगेर वैली नेशनल पार्क को यूनेस्को से विश्व विरासत स्थल के रूप में चिन्हांकन हेतु चयनित किया गया है। वहीं वन विभाग में मानव संसाधन में वृद्धि करने के लिए वनरक्षकों 1484 एवं सहायक ग्रेड-3 के 50 पदों पर भर्ती की जा रही है।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि राज्य सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में चरणपादुका वितरण योजना को फिर से शुरू किया गया है। इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की सामाजिक सुरक्षा के लिए राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 50 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 44.25 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है और भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार वन आवरण के मामले में राज्य देश में तीसरे स्थान पर है।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि राज्य में जैव विविधता संरक्षण और वेटलैंड विकास को बढ़ावा देने के लिए भी कई पहल की जा रही हैं। बिलासपुर जिले के कोपरा जलाशय को रामसर सचिवालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य का पहला एवं भारत वर्ष का 96वाँ रामसर स्थल अधिसूचित किया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से राज्य की जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण और जल जीवन के प्रति हमारे सरकार की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है।

इसी प्रकार छत्तीसगढ अंजोर विजन-2047 के ङ्मल डपसमेजवदमे ठल 2030 के अनुरूप वर्ष 2030 तक 20 वेटलैण्ड्स को रामसर स्थल के रूप में नामित करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा। इसी परिप्रेक्ष्य में बेमेतरा जिले के गिधवा-परसदा वेटलैण्ड कॉम्पलेक्स को रामसर स्थल अधिसूचित करने का प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किया गया है।

मंत्री श्री कश्यप ने सदन में परिवहन, सहाकारिता और संसदीय कार्य विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा में कहा कि ग्रामीण परिवहन व्यवस्था, सहकारिता क्षेत्र और प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करने के लिए हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिसके तहत परिवहन विभाग के लिए 243.50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। सरकार ने दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना को विस्तार देने की घोषणा की है।

जगदलपुर केंद्रीय जेल में संपूर्णता अभियान 2.0 का आगाज

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर संभाग के केंद्रीय जेल जगदलपुर में इन दिनों संपूर्णता अभियान 2.0 के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा की एक नई इबारत लिखी जा रही है। जेल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बीते 13 मार्च से यहाँ एक सघन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य केंद्र बिंदु टीबी (क्षय रोग) का उन्मूलन है। इस शिविर की सबसे खास बात आधुनिक तकनीक का समावेश है, जिसके तहत स्वास्थ्य कर्मी हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के जरिए बंदियों की डिजिटल जाँच कर रहे हैं। यह पोर्टेबल मशीन न केवल त्वरित परिणाम देने में सक्षम है, बल्कि जेल के सुरक्षित वातावरण के भीतर ही सटीक स्क्रीनिंग की सुविधा भी प्रदान कर रही है।

इस अभियान के शुरुआती चरणों में अब तक कुल 194 बंदियों एवं संबंधित व्यक्तियों की सफलतापूर्वक जाँच की जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की विशेषज्ञ टीम द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की बारीकी से स्क्रीनिंग की जा रही है ताकि बीमारी के किसी भी संभावित लक्षण को शुरुआती स्तर पर ही पकड़ा जा सके। उल्लेखनीय है कि यह जाँच प्रक्रिया अभी भी निरंतर जारी है और जेल परिसर के भीतर मौजूद शत-प्रतिशत बंदियों और कर्मचारियों को इस कवच के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा गया है।

संपूर्णता अभियान 2.0 के इस मानवीय प्रयास से न केवल बंदियों को समय पर उपचार मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, बल्कि जेल प्रशासन के भीतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संचार भी हुआ है। शिविर के दौरान पाए जाने वाले संदिग्ध मरीजों को तत्काल उचित चिकित्सा परामर्श और दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि जेल की चहारदीवारी के भीतर भी एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

मिनी स्टेडियम बीजापुर में महिला शक्ति का उत्सव

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में जिला स्तरीय महिला महाधिवेशन का भव्य आयोजन किया गया। मातृशक्ति के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़ी जिले भर की हजारों महिलाएं और माता-बहनें पूरे उत्साह और उमंग के साथ शामिल हुईं।

पूरे दिन चले इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गौरव की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, जनपद पंचायत सदस्य धनेश्वरी बाकड़े, पार्षद सत्यवती परतागिरी तथा जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें कुर्सी दौड़, सुई-धागा दौड़, चम्मच दौड़, रंगोली प्रतियोगिता, रस्साकसी और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख रहे। इन प्रतियोगिताओं में जिले भर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कुर्सी दौड़ में प्रमिला गायता ने प्रथम, समिता ताटी ने द्वितीय तथा राजेश्वरी तोयनार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुई-धागा दौड़ में मालती तोयनार और अंजली वाचम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि फरसेगढ़ की प्रेमा द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं। चम्मच दौड़ में सुनिता जुभार तोयनार प्रथम, सुमित्रा कुड़ियम द्वितीय और रंजिता टिंगे तृतीय स्थान पर रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में अंजली कोड़ोपी ने प्रथम, शीतल यादव ने द्वितीय तथा देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी प्रतियोगिता में चेरपल्ली की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि नैमेड़ टीम दूसरे स्थान पर रही। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में मूसालूर क्लस्टर ने प्रथम, भोपालपटनम क्लस्टर ने द्वितीय और आवापल्ली क्लस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों और टीमों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। महिला महाधिवेशन के दौरान जनप्रतिनिधियों ने मातृशक्ति की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने कहा कि महतारी वंदन योजना जैसी पहल से महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिल रही है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी ने इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के आत्मविश्वास और साहस को बढ़ाते हैं। कलेक्टर संबित मिश्रा ने समापन समारोह में मातृशक्ति को निरंतर आगे बढ़ने और समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

रायपुर में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में 15 मार्च 2026, रविवार को श्री दूधाधारी सत्संग भवन, मठपारा में सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से आए 250 से अधिक युवक-युवतियों का पंजीयन किया गया, जिन्हें मिलन-2026 स्मारिका में प्रकाशित किया गया। सम्मेलन के दौरान पंजीयन कराने वाले परिवार मंच पर आकर अपना परिचय दिया। इस अवसर पर कई परिवारों ने पसंद के रिश्तों को लेकर आपसी चर्चा भी की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के युवक-युवतियों को एक मंच पर लाकर योग्य वर-वधु के चयन की प्रक्रिया को सरल बनाना बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मेलन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ योग्य जीवनसाथी के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी परिवारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सम्मेलन के माध्यम से उनका उद्देश्य पूरा हो और योग्य वर-वधु का चयन हो सके। विशेष अतिथि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने वर्तमान समय में परिचय सम्मेलनों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं पूर्व पार्षद मृत्युंजय दुबे ने कहा कि संगठन द्वारा सभी वर्गों और दलों के विप्र प्रतिनिधियों को साथ लेकर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जो सराहनीय है। प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा ने संगठन की वार्षिक गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक नितिन कुमार झा ने कहा कि सामाजिक मेल-मुलाकात की कमी के कारण योग्य वर-वधु चयन में कठिनाई आती है, इसलिए ऐसे परिचय सम्मेलन की आवश्यकता बढ़ गई है। कार्यक्रम का संचालन पत्रिका के संपादक रज्जन अग्निहोत्री ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने दिया।

सभी राशन कार्ड धारियों का ई-केवाईसी किया जाना अनिवार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के निर्देशानुसार एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना के अंतर्गत राज्य में सभी राशन कार्ड धारियों को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जाना है।

इस संबंध में कलेक्टर रोहित व्यास ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी राशन कार्ड धारियों का ई-केवाईसी कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। साथ ही कलेक्टर व्यास ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि जिन पंजीकृत हितग्राहियों ने अब तक ई-केवाईसी नहीं कराया है, वे भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए अनिवार्य रूप से अपना ई-केवाईसी जल्द से जल्द पूरा कराएं। जिला खाद्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 2,66,620 राशन कार्ड प्रचलित हैं, जिनमें 9,23,233 सदस्य पंजीकृत हैं। इनमें से अब तक 8,16,193 सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 1,07,040 सदस्यों का ई-केवाईसी किया जाना शेष है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को ई-केवाईसी से छूट प्रदान की गई है। हितग्राहियों की सुविधा के लिए राज्य की शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में संचालित ई-पॉस मशीनों के माध्यम से ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त हितग्राही मेरा ई-केवाईसी ऐप के माध्यम से भी स्वयं ई-केवाईसी कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करें सभी खेल स्थलों कोः यशवंत कुमार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालनालय में आयोजित बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त समय रहते सभी इंतजाम पुख्ता रूप से सुनिश्चित करने को कहा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने बैठक में कहा कि खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स राष्ट्रीय महत्व और छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठा से जुड़ा आयोजन है। इससे संबंधित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त, पुख्ता एवं चौक-चौबंद होने चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाते हुए पर्याप्त समय रहते सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन के लिए चिन्हांकित सभी खेल स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने को कहा।

विभागीय सचिव कुमार ने खेल मैदानों, खिलाड़ियों के ठहरने की जगहों, विमानतल और रेल्वे स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में स्टॉफतैनात करने के निर्देश दिए, ताकि आयोजन में भाग लेने पहुंचने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को ट्राइबल गेम्स में हिस्सेदारी के लिए विभिन्न राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले प्रतिभागियों को यहां की संस्कृति, पुरातत्व एवं कला की जानकारी देने के साथ ही पर्यटन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा।

श्री कुमार ने आयोजन में विभिन्न भाषाओं वाले राज्यों की भागीदारी को देखते हुए उन भाषाओं के जानकार अधिकारियों-कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या में ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनूजा सलाम और उप संचालक श्रीमती रश्मि ठाकुर सहित रायपुर जिला प्रशासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग, परिवहन, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन, जनसंपर्क, स्वास्थ्य विभाग, आकाशवाणी और दूरदर्शन के अधिकारी बैठक में मौजूद थे। अंबिकापुर और जगदलपुर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ की मेजबानी में रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में 25 मार्च से 3 अप्रैल तक नेशनल ट्राइबल गेम्स की 7 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसमें दो अन्य खेलों, कबड्डी और मलखंब को डेमो के रूप में शामिल किया गया है। हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और तीरंदाजी की स्पर्धाएं रायपुर में होंगी। वहीं जगदलपुर में एथलेटिक्स और अंबिकापुर में कुश्ती की प्रतियोगिताएं होंगी। डेमो खेलों में कबड्डी का रायपुर में और मलखंब का प्रदर्शन अंबिकापुर में किया जाएगा। देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में 30 राज्यों के 2500 खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं अधिकारी शामिल होंगे।

संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर सोमवार को जिला कोंडागांव समस्त विकासखंड के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों, जिले अंतर्गत संचालित सभी पशु चिकित्सालय, कृत्रिम गर्भाधान केंद्र, पशु औषधालयों, कृत्रिम गर्भाधान उप केंद्रों में संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों एवं पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा पशुओं में होने वाली बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा उपस्थित पशुपालकों को पशुओं के टीकाकरण, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण एवं देखभाल के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पशुओं में होने वाली सामान्य बीमारियों की पहचान, उपचार एवं रोकथाम के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।शिविर में ग्राम के पशुपालक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और अपने पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।यह शिविर ग्रामीणों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ तथा पशुपालकों में पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उक्त शिविर में 10289 पशुओं में खुरहा चपका, 528 पशुपालको को औषधि वितरण, 139 पशुओं का उपचार किया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सालों से फरार दो स्थायी वारंटी चढ़े पुलिस के हत्थे, छुरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

राजनांदगांव। लंबे समय से फरार चल रहे दो स्थायी गिरफ्तारी वारंटियों को पकड़ने में छुरिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने विशेष अभियान के तहत दोनों आरोपियों को दबोचकर न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस के अनुसार जिले में चलाए जा रहे स्थायी वारंटियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरीनंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना छुरिया की टीम ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि जुआ एक्ट के मामले में वांछित आरोपी शेख उमर (38 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर 6 छुरिया, जो वर्तमान में कबीरधाम जिले में रह रहा था, लंबे समय से फरार चल रहा है। वहीं एनआई एक्ट के मामले में आरोपी भागचंद गोड (37 वर्ष) निवासी ग्राम बखरूटोला, पुलिस चौकी जोब थाना छुरिया भी न्यायालय से जारी स्थायी वारंट के बावजूद फरार था। थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में पुलिस टीम को दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रवाना किया गया। टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दोनों वारंटियों को पकड़ लिया और थाना छुरिया लाकर आगे की कार्रवाई की। इसके बाद दोनों आरोपियों को 16 मार्च 2026 को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

धारदार हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाले दो युवक गिरफ्तार

दुर्ग। पुलगांव थाना क्षेत्र में धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने और इलाके में दहशत फैलाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो धारदार हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 16 मार्च को नियमित पेट्रोलिंग के दौरान पुलगांव चौक के पास पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि पीसेगांव नदी रोड के पास दो युवक हाथों में धारदार हथियार लेकर लोगों को डराते-धमकाते हुए भय का माहौल बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी मयंक बांधे के पास से एक चापड़नुमा लोहे का धारदार हथियार और आरोपी दिनेश ठाकुर के पास से एक बटनदार स्टील का धारदार हथियार बरामद किया गया। दोनों युवकों के खिलाफ थाना पुलगांव में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मयंक बांधे (19 वर्ष) निवासी ग्राम चंदखुरी और दिनेश ठाकुर (19 वर्ष) निवासी ग्राम कोनारी, थाना पुलगांव, जिला दुर्ग के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिनी ट्रक पर चोर ने किया हाथ साफ, आरोपी को दबोचकर वाहन किया बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर में घर के सामने खड़ी मिनी ट्रक चोरी करने वाले आरोपी को सिविल लाइन थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मिनी ट्रक भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार अमित साहू ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 मार्च 2026 की रात करीब 10:30 बजे वह अपनी मिनी ट्रक अशोक लेलैंड डोस्ट प्लस को घर के सामने लॉक कर खड़ी कर अपने घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 9:30 बजे जब वह बाहर निकले तो देखा कि जहां वाहन खड़ा किया था वहां मिनी ट्रक गायब थी। आसपास काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का पता नहीं चला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

तीन ट्रकों से 75.62 टन स्क्रैप जब्त ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में ऑपरेशन प्रहार के तहत तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने अवैध कबाड़ के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान उद्योगों में खपाने के लिए ले जाए जा रहे तीन वाहनों से कुल लगभग 75.62 टन अवैध स्क्रैप जब्त किया गया है। जब्त स्क्रैप की कुल कीमत करीब 23 लाख 69 हजार 100 रुपए आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, पूंजीपथरा पुलिस को सूचना मिली थी कि गेरवानी चौक की ओर से अवैध कबाड़ का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने गेरवानी चौक में जांच शुरू की और एक 18 चक्का ट्रक को रोककर तलाशी ली।

जांच में ट्रक से करीब 31 टन लोहे का एंगल, छड़ और मशीनरी पार्ट्स का स्क्रैप मिला, जिसकी कीमत लगभग 10 लाख 30 हजार 500 रुपए आंकी गई। बिहार के रहने वाले ड्राइवर नितीश कुमार (25) के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला, जिस पर पुलिस ने स्क्रैप सहित ट्रक जब्त कर मामला दर्ज किया।

दूसरी कार्रवाई पुसौर पुलिस ने की। पुलिस ने सरिया से पुसौर की ओर आ रहे ट्रक को रोककर जांच की, जिसमें 25.620 टन लोहे का कबाड़ मिला। इसकी कीमत 7 लाख 68 हजार 600 रुपए आंकी गई। चालक विजेन्द्र लाहुर (50), निवासी चचौरा थाना सब जिला अमरोहा (उत्तर प्रदेश), वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जिस पर ट्रक समेत कबाड़ जब्त कर कार्रवाई की गई।

वहीं, कोतरारोड पुलिस ने रात्री गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कोसमनारा तिराहा में नाकेबंदी कर एक 12 चक्का ट्रक को रोका। जांच में ट्रक से करीब 19 टन लोहे के छड़ के टुकड़े और कबाड़ मिला, जिसकी कीमत लगभग 5 लाख 70 हजार रुपए आंकी गई। चालक मनोज यादव (40), निवासी छोटेवां थाना अवतार नगर जिला सारण (बिहार), के पास भी कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जिले में अवैध कबाड़ परिवहन और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त पर पुलिस की कड़ी नजर है। ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने 3 वाहनों से 75 टन स्क्रैप समेत 60.69 लाख की संपत्ति जब्त की है।

धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पास्टर अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

तिल्दा। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने खरोरा में धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पास्टर को गिरफ्तार किया है। पास्टर पर ग्रामीणों को बीमारी ठीक करने का लालच देकर हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बातें कहने और ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, कठिया नंबर-1, वार्ड क्रमांक 13, बजरंग पारा के निवासियों ने 15 मार्च को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पास्टर अनुप शेण्डे (28) गांव के लोगों को तबीयत ठीक करने का प्रलोभन देता था।

वह हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बातें कहकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाता था। खरोरा पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 154/26 दर्ज किया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 298, 299 और छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 1968 की धारा 4 के तहत मामला कायम किया गया।

पुलिस ने आरोपी अनुप शेण्डे निवासी नांदाफाटा (जिला बन्द्रपुर, महाराष्ट्र) और वर्तमान में राजीव नगर खरोरा निवासी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी अनुप शेण्डे ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार किया, परिजनों को सूचना दी और न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर पेश किया।

विदेशी करेंसी के नाम पर 19 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल के हावड़ा से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से नगदी रकम और आईफोन भी जब्त किया गया है।

मामला टूर एंड ट्रैवल्स व्यवसाय से जुड़े हरदीप सिंह होरा से जुड़ा है, जिन्हें व्हाट्सएप कॉल के जरिए होटल बुकिंग के नाम पर झांसे में लिया गया। आरोपी ने खुद को हर्षित अग्रवाल बताकर अमेरिका और लंदन में होटल बुकिंग की बात कही और भरोसा जीत लिया। आरोपियों ने पीड़ित को करेंसी टॉवर स्थित एक ऑफिस में बुलाया और 18,000 अमेरिकी डॉलर व 2,000 पाउंड (करीब 19.47 लाख रुपये) लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने थाना तेलीबांधा में शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल नंबर और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की लोकेशन हावड़ा में ट्रेस की गई। टीम ने वहां दबिश देकर प्रोसेनजित चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से 4.5 लाख रुपये नकद और करीब 5.5 लाख रुपये कीमत का आईफोन जब्त किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम देना कबूल किया है। आरोपी के खिलाफ मुंबई के बांद्रा थाने में भी ठगी का मामला दर्ज है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

रायपुर में पुरानी रंजिश पर चाकूबाजी, चार गिरफ्तार

रायपुर। मौदहापारा थाना क्षेत्र में 16 मार्च की शाम तालाब पार बीटीएस चौक के पास पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया गया। आरोपियों रवि रक्सेल, हर्ष कोसले, लोकेश रक्सेल, अभय रक्सेल और जय कोसले ने मोहम्मद अल्ताफ और राशिद अली को निशाना बनाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सुरक्षित कर अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास और बलवा की धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया ।

दो साल बाद पकड़ी गई झाड़-फूंक के बहाने नगदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी करने वाली महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम कुकदा में झाड़-फूंक के बहाने घर में घुसकर नगदी और सोने-चांदी के जेवर ले जाने वाली महिला को पुलिस ने लगभग दो साल बाद गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

बता दें कि सीपत थाना क्षेत्र के कुकदा बजरंग चौक निवासी मनीषा कानगो ने 8 दिसंबर 2023 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके माता-पिता ने झाड़-फूंक के लिए रतनपुर थाना क्षेत्र के जाली गांव निवासी जनक राम सौरा और उसकी पत्नी को घर बुलाया था। झाड़-फूंक के दौरान परिवार ने एक पेटी में 50 हजार रुपये नगद, चांदी की पायल, बिछिया, सोने की फुल्ली और चांदी की अंगूठियां रखकर ताला लगा दिया।

चाबी मनीषा की मां के पास रही। इसके बाद जनक राम सौरा ने परिवार को नींबू देकर घर के आंगन और आसपास गाड़ने के लिए बाहर भेज दिया। कुछ देर बाद दोनों पति-पत्नी यह कहकर चले गए कि रात भर दिया जलने देना और पेटी नहीं खोलना। सुबह पेटी खोली तो नगदी और जेवर गायब मिले।

पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। तलाश के दौरान पता चला कि आरोपी जनक राम सौरा की मौत हो चुकी है और उसकी पत्नी झुनिया बाई उर्फ शांति जमीन-जायदाद बेचकर फरार हो गई है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही थी।

इसी दौरान 14 मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि चकरभाठा क्षेत्र की कुछ महिलाएं बनियाडीह में घूम रही हैं। पुलिस टीम ने महिला आरक्षक के साथ उन्हें बुलाकर पूछताछ की। शुरू में महिला ने गलत नाम-पता बताया, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान झुनिया बाई सौरा उर्फ शांति (55 वर्ष) निवासी जाली, हाल मुकाम चकरभाठा सौरा मोहल्ला बताई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

तेज म्यूजिक बना विवाद का कारणः घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के डीडी नगर थाना क्षेत्र में तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट और तोड़फोड़ में बदल गया। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 15 मार्च की रात इंद्रप्रस्थ कॉलोनी की है। पीड़ित अपने भाई और दोस्तों के साथ घर में टीवी पर गाने

सुन रहा था। इसी दौरान कुछ लोग दरवाजा पीटते हुए पहुंचे और तीसरी बार में दरवाजा लात मारकर घर के अंदर घुस गए।

घर में घुसते ही आरोपियों ने तेज आवाज में गाना चलाने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट शुरू हो गई। आरोपियों ने घर में रखे टीवी को भी तोड़ दिया। मारपीट के दौरान एक आरोपी ने पीड़ित के भाई पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे उसके कान के पास चोट आई। घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद डीडी नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई और दबिश देकर कुबेर प्रसाद वर्मा, चंदन गुप्ता और विष्णु प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आईफोन चोरी करने वाले चोर पकड़ाये

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। शहर के थाना सिटी कोतवाली और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने गोपी टॉकीज के सामने स्थित सेल स्पॉट मोबाइल शॉप में हुई 16 नग आईफोन चोरी करने वाले मुख्य चोर आरोपी आकाश चौहान एवं उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की कार्रवाई में चोरी गए सभी 16 आईफोन बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ शहर के गोपी टॉकीज के सामने स्थित सेल स्पॉट मोबाइल दुकान के संचालक मोहम्मद फारुक निवासी लक्ष्मीपुर द्वारा पुलिस में सूचना दी थी कि 9 मार्च 2026 की रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह लगभग 10 बजे जब वे दुकान पहुंचे और शटर खोलकर अंदर गए तो शोकेस काउंटर में रखे मोबाइल फोन अस्त-व्यस्त मिले।

जांच करने पर पता चला कि दुकान की दूसरी मंजिल के दरवाजे का लॉक तोड़कर अज्ञात

चोर अंदर घुसा और ग्राउंड फ्लोर स्थित दुकान से 16 नग आईफोन तथा काउंटर में रखी नकदी चोरी कर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली रायगढ़ में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 305, 331(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में कोतवाली पुलिस और साइबर थाना की विशेष टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान कर उसकी तलाश तेज की गई। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि संदेही मोबाइल का उपयोग कर रहा है, जिस पर साइबर टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर उसकी लोकेशन ट्रेस की गई। पुलिस टीम तत्काल रायपुर पहुंची और रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर आरोपी की तलाश शुरू की गई। इसी दौरान आरोपी ट्रेन में बैठकर रायगढ़ की ओर आ रहा था, जिसे चलती ट्रेन में ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी की पहचान आकाश चौहान पिता मनोहर चौहान उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम कलमी थाना कोतरारोड़ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने सेल स्पॉट मोबाइल दुकान में चोरी करना स्वीकार किया तथा यह भी बताया कि उसने जनवरी 2026 में अपने साथियों के साथ बोईरदादर चौक स्थित साहा मोबाइल दुकान में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी ने बताया कि वह रायपुर से ट्रेन में बैठकर रायगढ़ आया और दुकान के पीछे निर्माणाधीन हिस्से के पास लगी लोहे की सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़कर दूसरी मंजिल का लॉक तोड़कर दुकान में घुसा और शोकेस में रखे 16 नग आईफोन को एक काले रंग के बैग में भर लिया तथा काउंटर से नकदी लेकर उसी रास्ते से फरार हो गया। पुलिस द्वारा आरोपी आकाश चौहान से चोरी के 15 नग आईफोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

वहीं चोरी का एक आईफोन उसके साथी लकेश्वर उर्फ लक्की चंद्रा पिता कनीराम चंद्रा उम्र 21 वर्ष निवासी सोनूमुड़ा, रायगढ़ के कब्जे से बरामद कर उसे भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। साथ ही चक्रधरनगर थाना क्षेत्र में दर्ज पूर्व चोरी मामले में आरोपी को पृथक से पुलिस रिमांड पर लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी,
जिला—बालोद (छ.ग.)

—:: निविदा ::—

क्रमांक / 1552 / जनगणना शाखा / 2026 बालोद, दिनांक 05 मार्च 2026

जिला जनगणना कार्यालय बालोद एवं चार्ज कार्यालयों (ग्रामीण एवं नगर) में भारत की जनगणना—2027 कार्य के संपादन के लिए आउटसोर्स के माध्यम से तकनीकी सहायक एवं एमटीएस उपलब्ध कराने हेतु।

निविदा एजेंसी/फर्म को जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन निविदा भरना होगा।	
निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का स्थान	ऑनलाईन जेम पोर्टल के माध्यम से
जेम पोर्टल में निविदा जारी करने की तिथि	05-03-2026
जेम पोर्टल में आवेदन करने हेतु अंतिम तिथि	25-03-2026
निविदा खोलने की तिथि	27-03-2026
निर्धारित धरोहर राशि	राशि 84,240.00 रूपये का राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी डी.डी COLLECTRET JANGANNA BALOD के नाम पर प्रतिभूति राशि के रूप में जमा करना होगा।

भारत की जनगणना—2027 का कार्य दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण— "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (HLO)" अप्रैल 2026 से सितंबर 2026 तक और द्वितीय चरण—"जनसंख्या गणना (PE)" का कार्य फरवरी 2027 में जिला—बालोद के कुल 07 तहसील एवं 09 नगरीय निकाय (नगर पालिका/नगर पंचायत) में प्रस्तावित है।

जनगणना 2027 का कार्य पूरी तरह से तकनीक आधारित होगी। जिसके लिए शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन में **18 तकनीकी सहायक व 01 बहु—कार्य कर्मचारी (एमटीएस)** कार्मिक की नियुक्ति कार्य राशि 84,240.00 रूपये की अमानत राशि के साथ अनुबंध दिनांक से आरंभ होकर अधिकतम 18 महीनों **जून 2027 तक के लिए आउटसोर्स एजेंसी के** माध्यम से कराया जाना है।

एतद् द्वारा उक्त कार्य के लिए इच्छुक फर्म/प्लेसमेंट एजेंसी से दिनांक 25-03-2026 दोपहर 03:00 बजे तक जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

जी-252607192/4

कलेक्टर
एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी
जिला - बालोद (छ.ग.)

चोर गिरोह का धावा, 4 लाख के जेवर पार

बिलासपुर। शहर के सरकंडा थाना क्षेत्र में रविवार रात एक प्रोफेशनल चोर गिरोह ने सूने मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। नकाब और ग्लव्स पहने चोरों ने बेहद शातिर अंदाज में घर का दरवाजा काटकर सेंट्रल लॉक तोड़ा और अंदर घुसकर सोने-चांदी के जेवरों पर हाथ साफकर दिया। चोरी की पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी अपनी पहचान छिपाते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मोपका क्षेत्र स्थित विवेकानंद रेसिडेंसी निवासी इंजीनियर नितेश रंजन पिछले 8 दिनों से घर में ताला लगाकर बिहार के औरंगाबाद गए हुए थे। 15 मार्च को कॉलोनी के लोगों ने उनके घर में चोरी की सूचना दी।

खास खबर

अबूझमाड़ की बेटी वनिता का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

नारायणपुर। नवा रायपुर स्थित आदिवासी संग्रहालय में 13 एवं 14 मार्च 2026 को आयोजित 'आदि पर्व 2026' में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र से शामिल हुई प्रतिभागी वनिता नेताम ने पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा में मंच पर अपनी संस्कृति की शानदार प्रस्तुति दी। इस ट्राइबल अटायर शो को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्र्स में दर्ज किया गया। वनिता नेताम का नाम भी वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। इस मंच के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को व्यापक पहचान मिल रही है।

दंतेवाड़ा में जयपुर फुट शिविर 18 एवं 19 मार्च को

दंतेवाड़ा। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर (राजस्थान) के सहयोग से 18 एवं 19 मार्च 2026 को जिला स्तरीय जयपुर फुट शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रातः 10 बजे से इन्डोर स्टेडियम दंतेवाड़ा में आयोजित होगा। शिविर में दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रमाणिकरण किया जाएगा तथा आवश्यकता अनुसार कृत्रिम अंग और कैलिपर बनाए जाएंगे। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को सामान्य ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, वॉकर एवं बैसाखी भी निःशुल्क प्रदान की जाएगी। शिविर में लाभ लेने के लिए इच्छुक दिव्यांगजनों को आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक दिव्यांगजनों से शिविर में पहुंचकर लाभ लेने की अपील की है।

प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने सीखा जंगलों का कामकाज

जल, मृदा संरक्षण और वन प्रबंधन के साथ ही लघु वनोपजों से उत्पाद बनाने की प्रक्रिया को भी समझा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों में भारतीय वन सेवा के वर्ष 2025-26 बैच के 133 प्रशिक्षु अधिकारियों ने मृदा संरक्षण, जल संरक्षण, वन प्रबंधन तथा लघु वनोपज के उत्पादन, प्रसंस्करण से जुड़ी तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव के सहयोग तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण में अधिकारियों को छत्तीसगढ़ की वन प्रबंधन प्रणाली और जल संरक्षण कार्यों का व्यावहारिक अध्ययन कराया गया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून से आए प्रशिक्षु अधिकारियों ने 8 से 15 मार्च 2026 तक धमतरी वनमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में फील्ड प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने पम्पारनाला, कांसानाला और साजापानी नाला जैसे क्षेत्रों में मृदा एवं जल संरक्षण तथा वाटरशेड प्रबंधन से जुड़े कार्यों का अध्ययन किया। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में अधिकारियों को वैज्ञानिक पद्धति से वृक्षों के सीमांकन, मार्किंग और कटाई की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार इमारती लकड़ी तैयार कर ई-ऑक्शन के माध्यम से शासन को अधिकतम राजस्व प्राप्त किया जा सकता है।

मैदानी प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने दुगली स्थित वन धन विकास केंद्र का भी अवलोकन किया। यहां उन्होंने हर्रा, बहेड़ा और अश्वगंधा जैसे लघु वनोपजों से उत्पाद बनाने की प्रक्रिया देखी। अधिकारियों को यह भी बताया गया कि स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह किस प्रकार जड़ी-बूटियों का सतत उपयोग कर आजीविका के अवसर बढ़ा रहे हैं और वनों के संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।

धमतरी वनमंडल के डीएफओ जाधव श्रीकृष्ण ने प्रशिक्षु अधिकारियों को वन प्रबंधन, प्रशासनिक कार्यों तथा लघु वनोपज प्रसंस्करण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना, मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त मणिवासगन एस., मुख्य वन संरक्षक दुर्ग वृत्त एम. मर्सीबेला सहित विभिन्न वनमंडलों के अधिकारियों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में संयुक्त वनमंडलाधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, एनआरएम इंजीनियर्स तथा वन विभाग के फील्ड स्टाफ ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। विभाग द्वारा सभी सहयोगी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मवेशियों को खुर-पका, मुंह-पका से बचाने एफएमडी टीकाकरण का शुभारंभ

पशुओं के खुर-पका, मुंह पका रोग से बचाव के लिये विशेष टीकाकरण अभियान की शुरूआत जिले में हो गयी है। यह अभियान केन्द्र सरकार की योजना राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चलाया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरेश मंडावी ने जिला पंचायत परिसर से टीकाकरण दल को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान गाय, भैंस दोनो प्रजातियों के पशुओं का खुर-पका, मुंह-पका रोग से बचाव के लिये टीकाकरण किया जायेगा। इस अभियान के सफल संचालन के लिए 84 टीकाकरण दल का गठन किया गया है, जिनके द्वारा जिले के समस्त ग्रामों में टीकाकरण कार्य किया जाएगा।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. सत्यम मित्रा ने बताया कि खुर-पका, मुंह पका रोग खुर वाले पशुओं का अत्यंत संक्रामक एवं घातक विषाणुजनित रोग है, जो गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूकर आदि पशुओं को प्रभावित करता है। यह रोग पशुओं में तेजी से फैलता है। इस रोग के होने पर पशुओं को तेज बुखार के साथ मुंह, मसूड़े एवं जीभ के उपर, नीचें, होंठ के अंदर का भाग, खुरों के बीच की जगह पर छोटे-छोटे दाने उभर आते हैं, जो कि आपस में मिलकर छालों का रूप ले लेते हैं। मुंह में छाला होने से पशु के मुंह से लगातार लार गिरती रहती है एवं खुर में छालों के कारण पशु लंगड़ा कर चलता है। पशु खाना-पीना छोड़ देता है एवं सुस्त पड़

बलराम की शशि को मातृत्व वंदना का सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गर्भावस्था के दौरान माताओं को पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना प्रभावी साबित हो रही है। प्रदेश की हजारों महिलाओं को सहायता मिल रही है, जिससे सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिल रहा है।

बलरामपुर जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र कोडाकुपारा की शशी को योजना से बड़ी राहत मिली। सीमित आय वाले परिवार की शशी के लिए गर्भावस्था के दौरान पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत उन्हें 5000 रुपये

की सहायता प्राप्त हुई। पहली किश्त 3000 रुपये और दूसरी किश्त में 2000 रुपये उनके खाते में जमा किए गए। इस राशि से न केवल पोषण की व्यवस्था हुई बल्कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच संभव हुआ। बेहतर देखभाल के चलते उन्होंने एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया, जिसका जन्म के समय वजन 2.8 किलोग्राम रहा। वर्तमान में नियमित स्तनपान और संतुलित देखभाल से शिशु का विकास स्वस्थ रूप से हो रहा है और परिवार में खुशी का माहौल है।

प्रदेश में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। फरवरी 2026 की राष्ट्रीय रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने बड़े राज्यों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया। राज्य ने 93.37 प्रतिशत नामांकन, 83.87 प्रतिशत स्वीकृति दर और 93.95 प्रतिशत शिकायतों के त्वरित समाधान के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक राज्य में 1 लाख 86 हजार 586 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया जा चुका है और 72 करोड़ 24 लाख 89 हजार रुपये की राशि सीधे हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

सिविल हॉस्पिटल पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री कहा-मरीजों की सेहत से समझौता नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रविवार को शासकीय सिविल अस्पताल मनेन्द्रगढ़ का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में उपचार व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने डॉक्टरों एवं अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक जानकारी लेते हुए मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर इलाज और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल का औपचारिक निरीक्षण किया। रविवार होने के कारण ओपीडी बंद थी, इसके बावजूद उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और साफ-सफाई को लेकर संतोष व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने की पहल

बेटियों को कैंसर से बचाने लगा रहे एचपीवी का टीका

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर जिले की बेटियों को भविष्य की गंभीर बीमारियों से सुरक्षित करने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक और आधुनिक अध्याय जुड़ गया। जिला चिकित्सालय महारानी अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। शहर के प्रथम नागरिक और महापौर श्री संजय पांडेय ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अभियान की शुरुआत की, जहाँ कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के कुशल मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने इस मिशन को धरातल पर क्रियान्वयन शुरू किया। यह अभियान न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि तकनीकी रूप से भी बेहद उन्नत है, क्योंकि इसमें यू-विन पोर्टल का व्यापक उपयोग किया जा रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और किशोरियों को संबोधित करते हुए महापौर संजय पांडेय ने कहा कि यह दिन बस्तर की बेटियों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सर्वाइकल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव का यह टीका बाजार में महंगा है, इसके बावजूद बेटियों के अनमोल स्वास्थ्य की रक्षा हेतु शासन द्वारा इसे पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि यह टीका हमारी बेटियों के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच है क्योंकि सरकार और प्रशासन का लक्ष्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारी को जड़ से रोकना है। महापौर ने सभी अभिभावकों से

भावुक अपील करते हुए कहा कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष की बेटियों का टीकाकरण अवश्य कराएं, क्योंकि यह न केवल एक स्वास्थ्य अभियान है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक डिजिटल क्रांति भी है, जहाँ टीकाकरण के तुरंत बाद उन्हें ई-सर्टिफिकेट प्राप्त हो रहा है। उन्होंने शासन के इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी घर-घर तक उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान किशोरियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया, जिसमें पूरी प्रक्रिया का डिजिटल प्रबंधन यू-विन पोर्टल के माध्यम से किया गया। पंजीकरण से लेकर टीकाकरण के पश्चात डिजिटल ई-सर्टिफिकेट प्रदान करने तक की पारदर्शी व्यवस्था ने इस अभियान को और भी प्रभावी बना दिया है।

स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने इस मिशन की गंभीरता को और पुख्ता किया। कार्यक्रम में नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, महापौर परिषद के सदस्य निर्मल पाणीग्राही, पार्षद स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रीना लक्ष्मी, शहरी स्वास्थ्य मिशन के पीडी बस्तिया मौजूद रहे। साथ ही अन्य समर्पित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की देखरेख में टीकाकरण प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई। प्रशासन का अब यह साझा संकल्प है कि जिले की हर पात्र किशोरी तक इस जीवन रक्षक और बहुमूल्य टीके को पहुँचाकर बस्तर की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाया जाए।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है छत्तीसगढ़ सरकार : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में चिकित्सक संगठन एवं मेडिकल छात्राओं ने सौजन्य मुलाकात की और प्रदेश को डीएम कार्डियोलॉजिस्ट की 2 सीट मिलने पर उनका आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, जिसमें लगभग 100 से 150 सीटें थीं। आज प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 14 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं, जिनमें लगभग 1400 सीटें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फिजियोथेरेपी, नर्सिंग सहित अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थान भी स्थापित हुए हैं, जिनका लाभ प्रदेश के विद्यार्थियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार लगातार प्राथमिकता के साथ बेहतर कार्य कर रही है, ताकि प्रदेशवासियों को सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके।

श्री साय ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मेडिको सिटी की स्थापना की जा रही है, जहां बड़े-बड़े सुपरस्पेशलिटी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, जिससे प्रदेश के लोगों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ को डीएम कार्डियोलॉजिस्ट की 2 सीट प्रदान किए जाने पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर तुलसी कौशिक, डॉ. देवेंद्र कश्यप सहित जूडो और मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ फेम ट्रिप : देशभर के टूर ऑपरेटरों ने देखी राज्य की प्राकृतिक छटा व संस्कृति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार और राज्य की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित फेम ट्रिप के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंट्स ने बस्तर, मैनपाट और जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखा और उसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधियों को बस्तर जिले के विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया साथ ही बोटिंग भी कराई गई, जिसने उनके अनुभव को और रोमांचक बना दिया। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने चित्रकोट स्थित प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन भी किए।

बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति से परिचित कराने के लिए प्रतिनिधियों को यहां के प्रसिद्ध हाट-बाजार भी ले जाया गया, जहां उन्होंने पारंपरिक मुर्गा लड़ाई जैसे स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों को देखा और बस्तर की विशिष्ट जनजातीय परंपराओं को समझा।

इस भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों को ऐतिहासिक नगरी

बारसूर भी ले जाया गया, जहां उन्होंने प्रसिद्ध बत्तीसा मंदिर और भगवान गणेश की अद्भुत एवं प्राचीन मूर्तियों का अवलोकन किया। इन ऐतिहासिक धरोहरों ने प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर संभाग के प्रशासनिक अधिकारियों से भी मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने

बस्तर के कमिश्नर, आईजी और एसपी से भेंट कर क्षेत्र में पर्यटन विकास, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटन सुविधाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में प्रतिनिधियों को मैनपाट के खूबसूरत पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। यहां उन्होंने करमा एथेनिक रिजॉर्ट और सैला रिसोर्ट का दौरा किया तथा मैनपाट की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण का अनुभव किया। इसके अलावा प्रतिनिधियों को कुनकुरी स्थित गिरजाघर, जशपुर का राजपुरी जलप्रपात तथा केरे विलेज जशपुर में स्थित महुआ होमस्टे जैसे आकर्षक पर्यटन स्थलों से भी परिचित कराया गया। इन स्थलों ने छत्तीसगढ़ के इको-टूरिज्म और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को उजागर किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित यह फेम ट्रिप 13 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 28 टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट्स शामिल हैं। इन प्रतिनिधियों को दो समूहों में विभाजित कर राज्य के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है।

इस पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार और पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के टूर ऑपरेटरों को राज्य की पर्यटन संभावनाओं से सीधे परिचित कराना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार कर सकें।

पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा प्रबंध संचालक विवेक आचार्य के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन सुविधाओं के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं।

इस फेम ट्रिप से जुड़े प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और यहां के लोगों के आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और वे अपने-अपने राज्यों में छत्तीसगढ़ को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950